

संपादकीय जेहादी मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह–पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन रिम्त मच्छर पर जानलेवा हमला किया था, वह जेहादी मानस, आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह अलकायदा के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके लिंकडइन पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह–पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से फ्री फिलिस्तीन जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे विमान क्रैश करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ–साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी आत्मघाती था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक नफरत करता था कि उन्हें मारने पर आमदा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के विश्व व्यापार केंद्र को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, इरान चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से अधिक यहूदी बताए जा रहे हैं।

अलकायदा ने न जाने कितने पढ़–लिखे नौजवानों को आतंकी के तौर पर, फिदायीन बनने के लिए भ्रमित किया होगा! सैजुदा सिलसिला भी यहीं थमने वाला नहीं है, यह विशेषज्ञों का आकलन है। सरकारी और देशों की विदेश नीतियों में इतनी खामियां, इतने विरोधाभास हैं कि जेहादी किस्म के चेहरों को भी पायलट जैसी घोर संवेदनशील और मानवीय जिम्मादारी की नियुक्तिया दी जाती रही है। यह पहली बार नहीं हुआ। इजरायली की सरकारी नीति है कि जिन देशों के साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं, कमोवेश उनसे विमान और पायलट इजरायल में प्रवेश नहीं कर सकते। जब कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान विमानन सेवा ने हमामी को विमान उड़ाने से प्रतिबंधित कर दिया था, तो उसे दुबई में नौकरी कैसे मिली? और वह तेल अवीव, इजरायल जाने वाले विमान का सह–पायलट कैसे बना? इससे भयानक और आपराधिक गलती कोई और हो सकती है क्या? ऐसे कई यक्ष–प्रश्न जांच के दौरान सामने आएंगे। बहरहाल इस आसामानी हमले और संभावित हादसे में विमान के पायलट कैप्टन रिम्त वैश्विक नायक बनकर उभरे हैं। घायल और लहलुहान होने के बावजूद उन्होंने विमान को संभाला, उससे पहले कोड 7500 भी देने में वह सफल रहे कि विमान का अपहरण कर लिया गया है, विमान की सऊदी अरब में आपत, सुरक्षित लैंडिंग भी हो गई और अंततः 174 जिंदगियां बचाईं। वह हब्रनुमान चालीयाह्न का आध्यात्मिक करिश्मा भी हो सकता है। यह आस्था का सवाल है। फ़िलहाल कैप्टन रिम्त संयुक्त अरब अमीरात में उपचाराधीन हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर उसे बातचीत की और सेहत का हालचाल पूछा। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने उनसे मुलाकात की और कैप्टन का मग़्ना वूम कर बेहतर सेहत की दुआएं दीं। बहरहाल यह संकट और खतरा पश्चिम एशिया तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर की विमानन सेवाओं के भीतर आतंकवादी सोच की संघ संभावित है और कुछ भी हो सकता है। कल्पना करें, यदि आसमान में विमान के कॉकपिट में हुई जानलेवा लड़ाई हादसे में तबदील हो जाती और एक व्यापक त्रासदी सामने आती, तो भारतीय पायलटों के प्रति शेष विश्व की प्रतिक्रिया क्या होती? चूंकि यथाथं स्पष्ट नहीं होता और विमान के पायंट मूलतः भारतीय हैं, तो देश के तौर पर भारत भी आलोचनाओं पर पाबंदियों का शिकार हो सकता था। यूरोप और पश्चिमी देश भारतीय पायलटों को ही प्रतिबंधित कर सकते थे। अब साफ़ हो गया है कि भारत जान बचाने वाला देश है और कैप्टन रिम्त उसकी मिसाल है। कैप्टन रिम्त को विश्व भर में प्रशंसा प्राप्त हुई है। पूरा विश्व भारत की महती भूमिका को देख रहा है।

जापान के आइची–नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर दिया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत ने एशिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी।

आलेख

जापान के आइची–नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतिभा की चमक को पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरी दुनिया को भारत की बढ़ती खेल शक्ति का परिचय कराया। तिरंगे की आन, बान और शान के लिए मैदान में उतरे हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर पदक तालिका में भारत को गौरवपूर्ण चौथा स्थान दिलाया। यह उपलब्धि केवल पदकों की संख्या नहीं बल्कि भारत की युवा खेल प्रतिभा के निरंतर निखरते सामर्थ्य और वैश्विक खेल मंच पर बढ़ते प्रभाव की स्वर्णिम चमक है। वहीं इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 10 मेडल जिनमें 5 स्वर्ण, 4 रजत 1 कांस्य पदक अर्जित कर अपनी सर्वोच्च प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विशेष योगदान दिया है।

देश के सशस्त्री प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज खेल भारत की राष्ट्रीय प्रार्थमिकाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया जी के नेतृत्व में खेलो इंडिया जैसी योजना के माध्यम से देश में खेल संस्कृति

को मजबूत करने, प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। छोटे शहरों, गांवों और सामान्य परिवारों से आने वाले युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके पास अब केवल प्रतिभा नहीं बल्कि उसे निखारने के लिए अवसर, प्रशिक्षण और प्रतियस्धी वातावरण भी उपलब्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री जी का यह विजन कि भारत का युवा खेल खेलों में भाग लेने वाला नहीं बल्कि दुनिया में भारत का नेतृत्व करने वाला बने, आज मैदानों में दिखाई दे रहा है। मिट्टी के मैदानों से लेकर आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक, स्कूलों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक, भारत की नई पीढ़ी खेलों को अपना भविष्य बनाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है।

वहीं मध्यप्रदेश में भी हम प्रधानमंत्री जी के विजन को दृष्टिगत रखते हुए एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान के उन्नयन व विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमी संघालित हैं। इन अकादमियों में विश्व स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। नवीन सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स योजना के तहत प्रदेश की सभी 230 विधानसभा में खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है। खेलो एमपी यूथ गेम्स,

भारत के लिए विदेशी पूंजी की अहमियत

इन विभिन्न बहुआयामी प्रयासों के बावजूद भारत में टिकाऊ विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी भी कई टोस सुधारों की आवश्यकता है। केवल बड़े घरेलू बाजार और उच्च विकास दर के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा।

हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 25 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 747.6 अरब डालर के स्तर पर पहुंचते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा कवच बन गया है। भारत दुनिया में चीन, जापान और स्विटजरलैंड के बाद चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला देश बन गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले माह 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद ब्रिक्स देशों से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों की उपस्थिति से भारत के बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश आने की उम्मीद है। इस शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स देशों के बीच कृषि, तकनीक और वित्त क्षेत्रों में आपसी साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है, जिससे भारत में प्राइवेट सेक्टर के निवेश को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिक्स के विस्तार से नए ब्रिक्स देशों में भारतीय सामाना और सेवाओं के निर्यात के नए दरवाजे खुले हैं। इस सम्मेलन ने वैश्विक आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक प्रभाव को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है, जिससे वैश्विक निवेशकों का भारत पर भरोसा बढ़ा है। इन सबसे भारत में विदेशी निवेश बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत का रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार भारत के लिए कई दृष्टिकोणों से लाभप्रद है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश को आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है।

अमरीकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आने वाले उतार–चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक इस भंडार का उपयोग करता है, जिससे भारतीय मुद्रा मजबूत बनी रहती है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, अतएव यह विशाल भंडार देश को 10–12 महीने से अधिक के निर्बाध आयात के लिए वित्तीय सुरक्षा देता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यह देश की ऋण चुकाने की क्षमता और वित्तीय मजबूती को दर्शाता है। मजबूत आर्थिक स्थिति के कारण वैश्विक रेटिंग एजेंसियां देश को क्रेडिट रेटिंग सुधारती हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ती दरों पर कर्ज मिलता है। वैश्विक युद्ध, महंगाई या अन्य देशों के केंद्रीय बैंकों के फैसलों से उत्पन्न आर्थिक संकटों को झेलने में विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षा कवच की तरह मदद करता है। गौरतलब है कि हाल ही में जहां विभिन्न वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां–जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर), एस&डपी रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती को रेखांकित किया है, वहीं

सनातन धर्म में वैदिक काल से यह परम्परा रही है कि परिवार में किसी भी शुभ कार्य के प्रारम्भ करने के पूर्व नान्दी श्राद्ध किया जाता है। कोई भी शुभ कार्य यथा विवाह, उपनयन, नूतन गृह प्रवेश, मुंडन आदि शुभ कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व नान्दी श्राद्ध करना अनिवार्य माना गया है। वर्तमान समय में भी यह परम्परा जीवित है। महाराजा दशरथजी ने श्रीराम जन्म के उपरान्त अयोध्या में विधिपूर्वक नान्दी श्राद्ध किया था। श्रीरामचरितमानस में महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी लिखते हैं–

नन्दी मुख सराय करि जातकरम सब कीन्ह।

हाटक धनु बसन मनि नूप बिम्बन्ह कहैं दीन्ह।।

(श्रीरामचरितमानस बालकाण्ड पदो–११३)

नान्दी श्राद्ध के कईनाम हैं–यथा– वृद्धि श्राद्ध, बड़ श्राद्ध तथा अभ्युदयिक श्राद्ध। श्रीरामचरितमानस के अनुसार श्राद्ध करने के पश्चात्ब्राह्मणों को सोना, गाय, माँग, वस्त्र आदि दान देने की परम्परा भी प्रचलित थी। इस श्राद्ध का उद्देश्य परिवार के पितृगणों को प्रसन्न करना रहता है। इसको करने से सभी पितृगणों का आशीर्वाद हमें प्राप्त होता है। पितृपुत्र और मातृपक्ष के पितरों का नाम स्मरण कर उनका पूजन अर्चन किया जाता है और उन्हें आशीर्वाद ग्रहण करने के पश्चात विसर्जित किया जाता है। जिन परिवारों में दोनों पक्षों का वंश वृक्ष बना कर रखा जाता है, वहीं पितृगणों का स्मरण करना आसान होता है, अतः परिवार में वंश वृक्ष होना आवश्यक होता है। सर्वप्रथम पारिवारिक शुभ कार्य में गणेश पूजन करने के पश्चात्नान्दीमुख श्राद्ध सम्पन्न किया जाता है।

यह श्राद्ध पवित्र होता है। इसमें यज्ञोपवीत को सव्य स्थिति में ही धारण किए हुए रहना पड़ता है। इस पूजन में श्वेत पुष्पों का अधिक महत्व होता है। पूजन सामग्री में कान्ठ तिल के स्थान पर जौ (यव) का प्रयोग किया जाता है। अन्य सामग्री में कंकू, चंदन, हल्दी, अक्षत, गुलाब, अबीर आदि का प्रयोग किया जाता है। धूप, दीप भी आवश्यक है। दीप आरती के पश्चात्



भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष डॉलर–रुपए विदेशी मुद्रा अदला–बदली (फॉरेक्स स्वेप) सुविधा के तहत अभूतपूर्व सफलता ने वैश्विक वित्तीय जगत में भारत की आर्थिक साख और मजबूती का एक नया अध्याय लिख दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि 8 जून 2026 को शुरू की गई इस योजना के प्रति अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) ने ऐसा अभूतपूर्व उत्साह दिखाया कि आरबीआई को अपने लक्ष्य समय से पहले ही निर्धारित लक्ष्य हासिल हो गए। यह परिदृश्य बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक स्तर पर निवेशकों का भरोसा अटूट है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गत 18 अगस्त को गजट अधिसूचना के बाद लागू कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम 2026 अब भारत में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, कर व्यवस्था में स्पष्टता लाने और घरेलू विनिर्माण को सुदृढ़ बनाने के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत अहम भूमिका निभाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक पूंजी और व्यापार के लिए अधिक आकर्षक व भरोसेमंद गंतव्य बनाना है।

यह अप्रतटीय निवेश कोषों (ऑफशोर इन्वेस्टमेंट फंड्स) और फंड प्रबंधकों के लिए नियमों को सरल बनाता है, जिससे भारत से परिचालन करने वाले कोष प्रबंधकों को कर संबंधी जटिलताओं का सामना न करना पड़े। इससे वैश्विक केंद्रों में कार्यरत भारतीय व विदेशी प्रबंधक सुगमता से भारत की ओर रुख करेंगे। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए उपकरण आपूर्ति पर मिलने वाली आयकर छूट को वर्ष 2040–41 तक विस्तारित किया गया है। सीमा शुल्क–बंधित (कस्टम्स–बॉन्डेड) गोदामों में इलेक्ट्रॉनिक घटकों के भंडारण को कर–मुक्त करने और डेटा सेंटरों के लिए प्रक्रियाओं को सुगम बनाने से वैश्विक कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षित होंगी। इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि 21 साल बाद यानी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने और लगभग 30–35 ट्रिलियन डॉलर

सनातन धर्म में नान्दी श्राद्ध का महत्व



कपूर् आरती भी की जाती है। चावल के पिंड पीले रंग के चावल से बनाते हैं। पारिवारिक सदस्य पूजन करके पैर धुते हैं और विसर्जन किया जाता है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार राजा दशरथजी बारात लेकर राजा जनक के यहाँ मिथिला पधारते हैं। उन्हीं जनवास में विश्रामगृह में ठहराया जाता है। स्वागत सत्कार के पश्चात राजा जनक महाराज दशरथ से कहते हैं–

रामलक्ष्णयो राजन गोदानं कारयस्वह।

पितृ कार्यं च भद्रं ते ततो वैवाहिकं कुरु।।

(वाल्मीकिरामायण–बालकाण्ड सर्ग ७१–२३)

अर्थात्– राजा जनक ने महाराजा दशरथ से कहा– राजन! अब आप श्रीराम और लक्ष्मण के लिये इनसे गोदान करवाइये। आपका कल्याण हो। नान्दी मुख श्राद्ध कार्य भी सम्पन्न कीजिये।

भारतीय खिलाड़ियों का जापान में श्रेष्ठ प्रदर्शन



प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय खेलों में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुश्ती जैसे खेलों पर ध्यान बढ़ा है, उसका असर एशियन गेम्स के प्रदर्शन में भी

दिखाई दिया है। निशानेबाजी भारत के लिए प्रमुख पदक दिलाने वाले खेलों में शामिल रही। भारतीय निशानेबाजों ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण पदक हासिल किए। वहीं तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी

तकनीक, एकाग्रता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का परिचय दिया। एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। टैक् एंड फील्ड स्पर्धाओं में मिले पदकों ने भारत की पदक तालिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुश्ती में भी भारतीय पहलवानों ने समदर प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए।

एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक्स के लिए सीधे मक्लिनीफाई किया। महिला हॉकी टीम को इस उपलब्धि ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति

मजबूत कर रही हैं। एशियन गेम्स में 85 पदकों के साथ चौथा स्थान भारत के लिए उत्साहजनक परिणाम माना जा सकता है। इस प्रदर्शन से देश के खिलाड़ियों और खेल संघों के सामने अगले बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए और बेहतर तैयारी करने की चुनौती भी है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पदक केवल एक-दो खेलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता दिखाई।21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों का यह प्रदर्शन भारतीय खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत देता है। एशियन गेम्स 2026 का भारतीय अभियान इस संदेश के साथ समाप्त हुआ, देश के खिलाड़ी अब एशियाई ही नहीं, बल्कि वैश्विक खेल मंच पर भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

लेखक– सनत जैन

की अर्थव्यवस्था बनाने और प्रति व्यक्ति आय करीब 18000 डॉलर करने के लिए बुनियादी ढांचे, तकनीक और विनिर्माण क्षेत्र में भारी निवेश की आवश्यकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को लगातार औसतन करीब 9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। इतने बड़े विकास लक्ष्य को अकेले घरेलू संसाधनों से पूरा करना संभव नहीं होगा, इसलिए विदेशी पूंजी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि आर्थिक सुधारों के पिछले 35 वर्षों में जो विदेशी मुद्रा भारत में वीमी गति से आई है, अब कराधान और अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम 2026 के लागू होने के बाद भारत की ओर विदेशी मुद्रा के प्रवाह में तेजी आने की पूरी संभावनाएं हैं। यदि हम भारत में विदेशी पूंजी आकर्षित करने के ऐतिहासिक प्रयासों पर दृष्टि डालें, तो पते हैं कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा आर्थिक सुधारों का नया दौर शुरू किया गया था। तब से अब तक विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए निरंतर कई टोस कदम उठाए गए हैं। बीमा, दूरसंचार और खुदरा (रिटेल) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत तक कर दी गई है। रक्षा क्षेत्र में भी कुछ शर्तों और नियमों के साथ 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। अधिकांश क्षेत्रों में पूर्व–सरकारी अनुमति के बिना (स्वचालित मार्ग से) निवेश करने की छूट प्रदान की गई। पुराने और कठोर हॉफेराह्न (एफडीआरए) कानून को समाप्त कर लचीला हॉफेमाह्न (एफडीएमए) लागू किया गया जिससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह और लेनदेन आसान हो गया। देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने और विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया गया। निवेशकों को कर में छूट, सरल नियम और आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का विकास किया गया। प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने वाली कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन–लिंकड प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी व्यवस्थाएं की गईं। व्यापार को गति देने के लिए चालू खाते पर रुपए को पूरी तरह से परिवर्तनीय बनाया गया तथा भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत और पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए नियमों को सरल किया गया। इन विभिन्न बहुआयामी प्रयासों के बावजूद भारत में टिकाऊ विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी भी कई टोस सुधारों की आवश्यकता है। केवल बड़े घरेलू बाजार और उच्च विकास दर के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए देश के नियामक ढांचे, कर प्रणाली और कानूनों तंत्र में व्यापक बदलाव अनिवार्य हैं। दीर्घकालिक निवेश के लिए स्थिर नीतियां पहली प्राथमिक शर्त हैं। कर नियमों, सीमा शुल्क और क्षेत्र–विशेष के प्रावधानों में अचानक होने वाले परिवर्तनों से निवेशक दूर भागते हैं।

डा. जयंती लाल भंडारी, विख्यात अर्थशास्त्री

राजा दशरथ भी कहते हैं–

स्वस्ति प्राणुहि भद्रं ते गमिध्यामः स्वमालयम्।

श्राद्ध कर्माणि विधिर्विद्विषारय्य इति चाब्रवीत।।

(वाल्मीकिरामायण– बालकाण्ड सर्ग ७२–११)

अर्थात्– आपका कल्याण हो। आप मंगल के भागी हों। अब हम अपने विश्राम स्थल जाएंगे। वहाँ जाकर मैं विधिपूर्वक नान्दीमुख श्राद्ध का कार्य सम्पन्न करूँगा।

नान्दीमुख श्राद्ध में पितृपक्ष की तीन पीढ़ियों और मातृपक्ष की तीन पीढ़ियों का स्मरण किया जाता है। तीनों पीढ़ियों के पितुओं का नाम लेकर उनका पूजन किया जाता है। अनायास, अनजाने में कोई गृहि हो गई हो तो उनसे क्षमा याचना की जाती है। उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है। जिस कार्य के लिये नान्दीमुख श्राद्ध किया जाता है, उस कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने की प्रार्थना पितृगणों से की जाती है। शुभ कार्य में कोई विघ्न बाधान आए और सुखपूर्वक, प्रसन्नतापूर्वक कार्य सम्पन्न हो जाए वहीं इस नान्दीमुख श्राद्ध का उद्देश्य होता है। नान्दीमुख श्राद्ध कार्य सम्पन्न होने के पश्चात्महाराजा दशरथजी और राजा जनकजी ने सुवर्ण, गौ आदि का दान करने का वर्णन प्राप्त होता है। वर्तमान में भी श्राद्धकर्ता अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करता है। वर्तमान में ही नहीं वाल्मीकिकालीन ग्रंथ में भी इसका वर्णन प्राप्त होता है। हमारी नवागत पीढ़ी भी सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करे। उन्हें सदैव दोनों पक्षों के पितृगणों का सतत आशीर्वाद प्राप्त होता रहे और वे भी अपने जीवन के शुभ कार्यों के पूर्व नान्दी श्राद्ध करने की परम्परा का निर्वहन करते रहें, जिससे उनके सभी शुभ कार्य सानन्द सम्पन्न हों और उनका जीवन सुगमतापूर्वक निर्बाध गति से चलायमान रहे। नई पीढ़ी भी शुभता के भावों के साथ इस सनातन परम्परा के माध्यम से अपने जीवन को सुखी–समृद्ध बना सकती है।

लेखिका– डॉ. शारदा मेहता

एशियन गेम्स में चमके भारत के सितारे



पार्थ योजना, खेलो बड़ो अभियान, टैलेंट सर्च, स्मरक कैंप सहित अन्य आयोजनों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की तलाश और उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस प्रतियोगिता में भारत के खिलाड़ियों ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर विश्व पटल पर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। भारत के कुल पदकों में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसमें कुल 24 पदक जीते गए। इसके बाद शूटिंग का नंबर रहा, जिसमें 15 पदक मिले। इनमें तीन बार खिलाड़ी टॉप पोजिशन पर रहे। बौक्सिंग में भी तीन स्वर्ण पदक मिले, जिनमें लवलीना बोरोगोहन भी शामिल थीं। आर्यवी में सबसे ज्यादा पंच बार खिलाड़ी शीर्ष पोजियम पर रहे। अमन सहरावत

और सुजीत कलकल ने रससिंग में एशियन गेम्स चैंपियन का खिताब जीता। भारत की महिला और पुरुष क्रिकेट, कबड्डी और हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए। नीरू दांडा, कुमुकुम मोहोद, गुलवीर सिंह और विठ्ठा रामराज जापान में भारत के प्रमुख प्रदर्शन करने वाले एथलीट में शामिल रहे, जिन्होंने कई पदक जीतने में योगदान दिया। सुचिका तरियाल ने महिला टेडेंडेशन –60 किग्रा वर्ग में ब्रॉज मेडल जीतकर मिक्स्ड मार्शर आर्ट्स में भारत का पहला एशियन गेम्स पदक हासिल किया। सेमी–फाइनल में पहुंचने के बाद जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में भी वहीं कारनामा दोहराया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और इस

ट्रान्मैट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। बाद में पुरुष टीम ने भी फाइनलन को फाइनल में बराबरी स्कोरस्टेकदर अपना खिताब सफलतापूर्वक कराया।वहीं, शूटर नीरू दांडा ने महिलाओं के टैटल इवेंट में जीत हासिल करके एशियन गेम्स 2026 में भारत का पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता। मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। इसके साथ ही उन्होंने 1998 के बैकॉक गेम्स के बाद वेटलिफ्टिंग में भारत के कॉन्टिनेंटल मेडल जीता। सीमा कुमारी ने गोल्डी एशियाई गेम्स में महिलाओं की 10.000 मीटर दौड़ में मेडल जीतकर भारत के 16 साल बाद पदक जीता। कमलजीत और सुरुचि सिंह ने मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल जीतने के दौरान एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की। बरानिका इलांगोवन ने ब्रॉज मेडल जीता और एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय पोल वॉल्टर बन गई। सावन बरवाल ने नया नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए 1982 के बाद मेराशन में भारत का पहला मेडल जीता। स्वदेश में, अनाहत सिंह ने शूटिंग (शॉटगन) के बुमैस ट्रैप इंडिविजुअल में स्वर्ण, ट्रैप मिक्स्ड टीम में स्वर्ण और बुमैस ट्रैप टीम में रजत पदक सहित नीरू ने 3

मेडल हासिल कर इतिहास रच। मनीषा कीर ने शूटिंग (शॉटगन) बुमैस ट्रैप टीम में रजत पदक, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने शूटिंग (राइफल) 50मी. राइफल 3 पोजिशन मेन्स टीम में सिल्वर पदक, आशी चौकसे ने शूटिंग (राइफल) 50मी. राइफल 3 पोजिशन बुमैस टीम में सिल्वर पदक, पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रहे विवेक सागर ने स्वर्ण पदक, महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहे विवेक सागर ने स्वर्ण पदक, महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहे क्रिंके (टीका चौधरी ने स्वर्ण पदक, क्रांति गोड ने क्रिकेट इतिम इवेंट) में स्वर्ण पदक, जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस (व्यक्तिगत स्पर्धा) में कांस्य पदक अर्जित कर प्रदेश व देश का मान बढ़ाया है। भारत के युवा खिलाड़ी आज केवल पदक नहीं जीत रहे, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए सपनों की नई सीमा तय कर रहे हैं। पदक मंच पर जब भारतीय खिलाड़ी तिरंगे को अपने कंधों पर लेकर खड़े होते हैं और राष्ट्रगान की धुन बजती है, तब वह क्षण केवल खिलाड़ी का नहीं होता बल्कि वह 140 करोड़ भारतीयों के गौरव का क्षण होता है। एशियन गेम्स में चमके भारत के इन सितारों ने एक बार फिर साबित किया है कि भारत की युवा शक्ति दुनिया के किसी भी मंच पर इतिहास रच सकती है।

लेखक– विश्वास कैलाश सारंग

(सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री, म.प्र. शासन)

संक्षिप्तवार्ता

हर्ष मल्होत्रा ने गुरु नानक देव और रानी दुर्गावती को किया नमन

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के ज्योति-जोत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव ने मानव समानता, प्रेम, करुणा और निःस्वार्थ सेवा का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। मल्होत्रा ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा कि गुरु नानक देव को पावन वाणी और जीवन-दर्शन आज भी पूरी मानवता को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। एक अन्य पोस्ट में मल्होत्रा ने महान वीरगंगा रानी दुर्गावती की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए रानी दुर्गावती ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका सर्वोच्च त्याग, शौर्य और स्वाभिमान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

बांसुरी स्वराज ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज और नेता दर्शन जरदोश ने ‘सेवा संकल्प’ अभियान के तहत सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ‘सेवा संकल्प’ अभियान के तहत आज दिल्ली प्रदेश भाजपा ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर, यह सेवा कैंप लगाया है। बांसुरी स्वराज ने सभी से यहां आकर इस हेल्थ चेक-अप कैंप का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी विकास नीतियों के जरिए एक विकसित भारत के साथ-साथ एक स्वस्थ भारत का भी सपना देखा है और इसलिए स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है।

135 साल पुरानी लाइब्रेरी को हटाने पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली में 135 साल पुरानी केंद्रीय सचिवालय लाइब्रेरी को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। शास्त्री भवन में स्थित इस लाइब्रेरी में 8.5 लाख से अधिक किताबें हैं और सेट्टल विस्टा प्लान के तहत इस भवन को गिराने का प्रस्ताव है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने सरकार से इस लाइब्रेरी के लिए तय की जाने वाली जगह का असली लेआउट प्लान सहित अन्य जानकारी पेश करने का निर्देश दिया है। पीठ ने इस लाइब्रेरी को कहीं अन्य स्थानांतरित करने की खबरों पर सज्ज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब मांगा है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर एक करोड़ रुपये से अधिक के कीमती पत्थर जब्त, यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने बैंकोंक से आए एक भारतीय यात्री के पास से 3,200 नग कीमती पत्थर और आभूषण बरामद किए हैं। जब सामान की कीमत 1.01 करोड़ रुपये बताई गई है। इसके बाद यात्री से जुड़े परिसरों की तलाशी में बड़ी मात्रा में कच्चे और तरोशे हुए कीमती पत्थर भी बरामद किए गए। कुल जब्त सामान की कीमत 2.02 करोड़ रुपये आंकी गई है।

सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, तीन अक्टूबर को अधिकारियों ने टर्मिनल-3 पर प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकोंक से आए भारतीय यात्री को रोक़ा। वह दो अक्टूबर की एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली पहुंचा था। सामान की विस्तृत जांच और व्यक्तिगत तलाशी के दौरान 3,200 नग कीमती पत्थर और आभूषण मिले। यात्री ने पुष्टाकृत में इन सामान को बैंकोंक से दिल्ली लाने की बात स्वीकार की।

कफन ओढ़कर सड़कों पर उतरे एनएसयूआई कार्यकर्ता, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को रायसीना रोड स्थित संगठन के मुख्यालय के बाहर अनूठे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कफन ओढ़कर और गले में फूलों की माला डालकर सांकेतिक प्रदर्शन किया तथा सड़क पर लेटकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना विरोध जताया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सरकार तथा चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में विभिन्न पोस्टर और बैनर थे, जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने हवोट की चोरी नहीं चलेगी, जनता की आवाज नहीं दबेगीह् जैसे नारे लगाते हुए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भड़काऊ भाषण मामले में परवेश वर्मा, कपिल मिश्रा और अन्य के खिलाफ दायित्व याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2019 जामिया हिसा और 2020 दिल्ली दंगों के दौरान कथित भड़काऊ भाषण से जुड़े मामले में दिल्ली सरकार में मंत्री परवेश वर्मा और कपिल मिश्रा को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और मनोज जैन की खंडपीठ ने सोमवार को यह फैसला दिया। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायित्व कर परवेश वर्मा, कपिल मिश्रा और अन्य लोगों के खिलाफ कथित भड़काऊ भाषण के लिए एफआईआर की मांग की थी। शंख मुजतबा फारूक ने भाजपा नेताओं कपिल मिश्रा, अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा और अभय वर्मा के भाषणों को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई थी। आरोप है कि इन भाषणों ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़काए, जिनमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। अन्य याचिकाओं में, जिनमें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) की नेता बुदा करात और जमीयात उलेमा-ए-हिंद की याचिकाएं शामिल हैं, दंगों में दिल्ली पुलिस की भूमिका की अदालत की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से जांच की मांग की गई थी। पुलिस पर दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ मार्च के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया में कथित ज्यादती के आरोप लगाए गए थे। जामिया मामलों में छात्रों ने आरोप लगाया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उनके साथ मारपीट की थी। एक याचिकाकर्ता ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का भी रुख किया था। याचिकाओं में स्वतंत्र जांच और कुछ मामलों में जांच को दिल्ली पुलिस से किसी बाहरी एजेंसी को सौंपने की मांग की गई थी। उधर, *हलायंस वॉइस* ह् की ओर से दायर एक अन्य याचिका में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मनोष सिंसोदिया, असदुद्दीन औवैसी सहित कई विपक्षी नेताओं और साथ ही एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई थी।

टाटा के नकली उत्पादों के खिलाफ रोहिणी विशेष प्रकोष्ठ की बड़ी कार्रवाई, फैक्टरी पर छापा

नई दिल्ली। रोहिणी पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और ब्रांड सुरक्षा एजेंसी प्रोटेक्ट आईपी इंडिया प्रालैवट लिमिटेड, गुरुग्राम की टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर टाटा कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे नकली उत्पादों के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने नांगलोई क्षेत्र में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली उत्पाद बरामद किए और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रोटेक्ट आईपी इंडिया की टीम से मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टाटा मोटर्स की नकली डीईएफ की बाल्टियों का बड़ा जखीरा बरामद किया। मौके से अवैध रूप से इस कारोबार को संचालित कर रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बरामद माल को जब्त कर सील कर दिया है। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों की तलाश में जांच कर रही है।

खिलाफ बढ़ते रेप और दूसरे अपराधों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः सज्ज्ञान लिया है। सोमवार को इसी सुओ मोटो मामले में जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि जरूरत पड़ने पर वे सख्त रुख अपनाएं। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे लोग भी होंगे जो आर्टिकल 21 की बात करेंगे, यानी वे मानवाधिकार समूह जो अपराधियों के साथ बुरे बर्ताव का विरोध करते हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी ऐसे समूहों की परवाह किए बिना, रेप जैसे घिनौने अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि जब तक आप अपराधियों के मन में यह डर पैदा नहीं करते कि ह्छाअमर हमने ऐसा कुछ किया तो मारे जाएंगेह्, तब तक आप ऐसे अपराधों को रोक नहीं पाएंगे। आपको ऐसे अपराध करने की



कफन ओढ़कर जताया विरोध

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कफन और फूलों की माला के साथ सड़क पर लेटकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह प्रतीकात्मक प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकारों और मताधिकार को रक्षा की मांग को सामने रखने के लिए किया गया है। प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की भारी तैनाती रही और सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। एनएसयूआई का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और चुनाव आयोग को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। संगठन ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने तथा मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

कई कार्यकर्ता हिरासत में
प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने पुलिस कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जनता के मत की

मुख्यमंत्री ने लोक नायक अस्पताल में सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को लोक नायक अस्पताल में सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर सुविधाओं, सेवाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सहायता के लिए आने वाली प्रत्येक पॉइंट महिला का शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यहाँ हिंसा से पॉइंट महिलाओं और बच्चियों को एक

दिल्ली में रानी झांसी फ्लाईओवर पर व्यापारी से 19.50 लाख लूटने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। रानी झांसी फ्लाईओवर पर 30 सितंबर को 2 अलग-अलग बाइक पर सवार बदमाशों ने एक बाइक पर जा रहे दो लोगों से करीब 19.50 लाख रुपए कैश की लूटपाट की थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूटे हुए 9 लाख रुपये और लूट के पैसों से खरीदा गया एक आईफोन बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, पॉइंट चांदनी चौक में एक व्यापारी के काम करते थे और कैश लेकर चांदनी चौक से निकले थे। चांदनी चौक में ही काम करने वाले एक शख्स ने इनकी रेंकी की ओर गाजियाबाद के अपने 4 साथियों के साथ लूट की प्लानिंग की।

दिल्ली के रंजीत नगर में एसआईआर को लेकर विशेष कैंप

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के रंजीत नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य जानकारी में सुधार से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को मौके पर ही जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

कैंप में लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की प्रक्रिया और

आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, बीएलओ से एसआईआर की प्रक्रिया, लोगों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान को लेकर बातचीत भी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सहायता दी जा रही है कि प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एआरओ शिवकुमार शर्मा ने बताया कि एसआईआर को लेकर पहले से ही तैयारी की गई थी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त से 30 सितंबर तक फॉर्म 6 और 7 भरने की प्रक्रिया निर्धारित थी, लेकिन लोगों की सुविधा को देखते हुए इसकी समय सीमा



ज्ञानेश कुमार पर लगाए गंभीर आरोप

प्रदर्शन के दौरान विनोद जाखड़ ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने उन्हें देशद्रोही तक करार दिया और चुनाव प्रक्रिया में कथित वोट चोरी का आरोप लगाते हुए

मुख्यमंत्री ने लोक नायक अस्पताल में सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण



ही स्थान पर पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, सामाजिक एवं कानूनी परामर्श और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्ट्राफ़, साइबर पुलिस स्टेशन और रंजीत नगर पुलिस ने रंजीत नगर में नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों जगहों से पुलिस ने 13 कंप्यूटर सिस्टम और 5 मोबाइल फोन के साथ-साथ कॉलिंग सॉफ्टवेयर, नौकरी चाहने वालों का डेटा और डिजिटल, फाइनेशियल सबूत जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 3 सितंबर को दिल्ली के रंजीत नगर में शादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे दो संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट, कॉलिंग सेंटरों के बारे में जानकारी मिली। इन दोनों कॉल सेंटर में बेरोजगारों से नौकरी दिलाने के नाम पर पैस लिए जा रहे थे। सच्चाई का पता लगाने और जरूरी कार्रवाई के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम में रंजीत नगर पुलिस स्टेशन और स्पेशल स्ट्राफ़ के लोग शामिल थे, जिन्होंने तकनीकी विश्लेषण और फील्ड वैरिफिकेशन

बीएलओ और अधिकारी कर रहे समस्याओं का समाधान

बढ़ा दी गई है। अब लोग 30 अक्टूबर तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 30 नवंबर तक संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी और 4 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना है, उन्हें फॉर्म 6 दिया जाता है। बीएलओ और कर्मचारी फॉर्म भरने में भी लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो ऐसे मामलों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के बारे में उत्तर पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्ट्राफ़ की टीम ने उस्मानपुर यमुना ख़ादर में दर रात मुठभेड़ के दौरान 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी हैं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के बारे में उत्तर पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्ट्राफ़ की टीम को जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने गुप्त सूचना

काहा कि यदि हर वोट की सुरक्षा और लोकतंत्र की रक्षा की आवाज उठाना अपराध है, तो एनएसयूआई यह अपराध हर दिन और अधिक मजबूती से करती रहेगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जंतर-मंतर क्षेत्र में लगातार प्रदर्शन

दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विभिन्न विपक्षी तथा छात्र संगठनों की ओर से विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। जंतर-मंतर के आसपास हुए प्रदर्शनों के दौरान कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। हालांकि, ये आरोप प्रदर्शनकारियों और एनएसयूआई नेताओं की ओर से लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं हुई है। एनएसयूआई के मीडिया इंचार्ज रवि हनुमान पांडे ने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग को समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक असहमति को पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने

छात्र छात्राओं की सुरक्षा पर एलजी की सख्ती, विश्वविद्यालयों कुलपति सहित सभी एजेंसियों की बैठक

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। छात्राओं की सुरक्षा को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार टीएस सन्धू ने सोमवार को दिल्ली सरकार के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), नगर निगम, शिक्षा और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। उपराज्यपाल ने कहा कि कैंपस की सुरक्षा विश्वविद्यालय के गेट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि छात्रों के आने-जाने के रास्ते, सार्वजनिक परिवहन के स्थानों और उनके निर्यात इस्तेमाल वाली अन्य जगहों तक होनी चाहिए। बैठक में विश्वविद्यालयों से उनके आसपास छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं बताने को कहा गया। इसमें शाम के समय अंधेरे और सुसान रातों, खराब सीसीटीवी कैमरे, अप्रत्याशित लाइट, मेट्रो सर्फ की समस्या, यातायात जाम, पार्किंग, सुरक्षा कर्मचारियों की कमी, कैमस के पास शराब की दुकानें, ई-रिक्शा, खुले मूलालय, डेडीएड कैंप और खाली भूखंडों में बढ़ी वनस्पति, टूटी चारदीवारी और कैमस में अलग गिह्ठ बूथ की जरूरत जैसे मुद्दे सामने आए।

दिल्ली पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (वेब वार्ता)। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्ट्राफ़, साइबर पुलिस स्टेशन और रंजीत नगर पुलिस ने रंजीत नगर में नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों जगहों से पुलिस ने 13 कंप्यूटर सिस्टम और 5 मोबाइल फोन के साथ-साथ कॉलिंग सॉफ्टवेयर, नौकरी चाहने वालों का डेटा और डिजिटल, फाइनेशियल सबूत जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि 3 सितंबर को दिल्ली के रंजीत नगर में शादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास लाल रतन बिल्डिंग से चल रहे दो संदिग्ध नकली जॉब-प्लेसमेंट, कॉलिंग सेंटरों के बारे में जानकारी मिली। इन दोनों कॉल सेंटर में बेरोजगारों से नौकरी दिलाने के नाम पर पैस लिए जा रहे थे। सच्चाई का पता लगाने और जरूरी कार्रवाई के लिए पुलिस की दो टीमें बनाई गईं। एक टीम में रंजीत नगर पुलिस स्टेशन और स्पेशल स्ट्राफ़ के लोग शामिल थे, जिन्होंने तकनीकी विश्लेषण और फील्ड वैरिफिकेशन

बीएलओ और अधिकारी कर रहे समस्याओं का समाधान

बढ़ा दी गई है। अब लोग 30 अक्टूबर तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 30 नवंबर तक संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी और 4 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना है, उन्हें फॉर्म 6 दिया जाता है। बीएलओ और कर्मचारी फॉर्म भरने में भी लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो ऐसे मामलों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के बारे में उत्तर पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्ट्राफ़ की टीम ने उस्मानपुर यमुना ख़ादर में दर रात मुठभेड़ के दौरान 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी हैं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के बारे में उत्तर पूर्वी दिल्ली की स्पेशल स्ट्राफ़ की टीम को जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने गुप्त सूचना

चालान का खौफ या मंथली एंट्री का खेल ?

यात्री कर अधिकारी पर फूटा वाहन चालकों का गुस्सा, हादसे के बाद एनएच-44 पर उतरे चालक

ललितपुर। यात्री कर विभाग की कथित मनमानी और वाहन चालकों के उत्पीड़न को लेकर सोमवार को उस समय बड़ा बवाल खड़ा हो गया, जब पिकअप चालकों ने यात्री कर अधिकारी लिली चौधरी पर चालान का भय दिखाकर कथित रूप से मंथली एंट्री वसूलने और वाहन चालकों को परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए।

वेब वार्ता, आलांक चतुर्वेदी

मामला इतना गरमाया कि आक्रोशित वाहन चालकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर जाम लगा दिया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और हाईवे की रफ्तार थम गई।

बताया गया कि सोमवार सुबह एक पिकअप किसान का अनाज लेकर मंडी की ओर जा रही थी। वाहन चालकों का आरोप है कि इसी दौरान यात्री कर अधिकारी



पलवल के ट्रक मालिकों की शिकायत

वाहन मालिकों के मुताबिक, पूर्व में पलवल के कुछ ट्रक मालिकों ने तत्कालीन जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी से शिकायत की थी। आरोप लगाया गया था कि उनके ट्रकों को कभी ओवरहाइट तो कभी अन्य नियमों का हवाला देकर रोककर कथित रूप से अवैध वसूली का दबाव बनाया जाता है। वाहन मालिकों का कहना था कि नियमों के नाम पर बार-बार परेशान किए जाने से वे काफी परेशान थे।

लिली चौधरी ने पिकअप का पीछा किया। चालकों के मुताबिक, इसी दौरान पिकअप एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से टल गया।

घटना के बाद वाहन चालकों का गुस्सा भड़क उठा। बड़ी संख्या में पिकअप चालक और अन्य वाहन चालक एकत्र हुए और उन्होंने ठठ-44 पर जाम लगा दिया। दोनों ओर वाहनों की कतारें लगने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया।

मंथली नहीं तो चालान ! चालकों ने लगाए गंभीर आरोप

आक्रोशित वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि वाहनों को रोककर चालान का भय दिखाया जाता है और कथित तौर पर नियमित मंथली एंट्री देने का दबाव बनाया जाता है। उनका कहना था कि नियमों का उल्लंघन होने पर नियमानुसार कार्रवाई हो, लेकिन कार्रवाई की आड़ में कथित वसूली का दबाव किसी कोमत पर स्वीकार

पिकअप का पीछा करने के आरोप से मचा हड़कंप

नहीं किया जाएगा।

पुराने विवादों ने फिर खोले सवाल—दो घटनाएं, एक जैसी शिकायतों का आरोप

यात्री कर अधिकारी की कार्यशैली को लेकर वाहन मालिकों ने पूर्व की दो घटनाओं का भी हवाला दिया, जिनसे विभाग की

विदिशा के मोटर मालिक का मामला

वाहन मालिकों द्वारा बताए गए एक अन्य पुराने प्रकरण में नरेंद्र कुशवाहा पुत्र कोमल सिंह, निवासी बन्दरौटा, जनपद विदिशा (मध्य प्रदेश) से यात्री कर अधिकारी द्वारा कथित रूप से मोटी रकम मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। आरोप था कि कथित मांग से परेशान होकर वाहन मालिक इतना क्षुब्ध हो गया कि वह एक ऊंचे टावर पर चढ़ गया था। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और काफी हो-हल्ला हुआ। वाहन मालिकों का दावा है कि इस घटना के चलते भी संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर विभाग की खूब किरकिरी हुई थी। इन दोनों घटनाओं को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच होना आवश्यक है।

कार्यप्रणाली पर पहले भी सवाल उठने की बात कही गई।

यातायात प्रभारी ने संभाला मोर्चा

एनएच-44 पर जाम की सूचना मिलते ही यातायात प्रभारी आलोक तिवारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित वाहन चालकों से बातचीत कर उन्हें काफी देर तक समझाया। इसके बाद वाहन चालकों ने जाम समाप्त किया और हाईवे पर यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी।

सवाल बड़ा है—कौन लगाएगा कथित वसूली पर ब्रेक ?

सोमवार की घटना और वाहन चालकों द्वारा बताए जा रहे पुराने मामलों ने यात्री कर विभाग की

कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि वाहन चालक नियम तोड़ते हैं तो चालान और विधिक कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि चालान के भय को कथित वसूली के दबाव के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है तो यह उससे भी गंभीर मामला है। अब सवाल यह है कि एनएच-44 पर सड़कों तक पहुंचे वाहन चालकों के आक्रोश और पुराने मामलों में लगाए गए गंभीर आरोपों की क्या उच्चस्तरीय जांच होगी? क्या परिवहन विभाग वाहन चालकों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराएगा और आरोप सही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करेगा, या फिर वह मामला भी विभागीय फाइलों में दबकर रह जाएगा?



दुर्गा पूजा समितियों को नगर पालिका अध्यक्ष ने दिए 2,500 रुपये

वेब वार्ता, कमर खान

बलरामपुर। आगामी नवरात्रि पर्व, श्री दुर्गा पूजा, श्रीरामलीला एवं दशहरा को सुकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आदर्श नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू की अध्यक्षता में सोमवार को एम.एल.के. पी. जौ. कॉलेज के ऑडिटोरियम में संबंधित समितियों के पदाधिकारियों एवं नगर पालिका अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह हाथीरूढ़ ने नगर क्षेत्र की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों को 2,500-2,500 रुपये की सहयोग राशि दी सी से अधिक समितियों को प्रदान की। शेष इकतीस समितियों को नगर पालिका परिषद सभागार में अध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, डीपी सिंह, संजय शुक्ल ने वितरित किया गया इसके साथ ही समितियों को आधुनिक पूजा थाली एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि नवरात्रि एवं दशहरा जैसे पर्व हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं के महत्वपूर्ण अंग हैं। इन पर्वों को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद की ओर से पर्व के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी, मार्गों की सफाई तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को बेहतर रखने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। पूजा पंडालों एवं रामलीला स्थलों के आसपास नियमित सफाई कराने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

रामेश्वर तिवारी की हत्या से परिवार के पुराने जख्म हुए ताजा, तीन हत्याओं का दर्द

वेब वार्ता, देवरिया

राइस मिल का काम शुरू किया था।

लार थाना क्षेत्र में रामेश्वर तिवारी की हत्या ने परिवार के पुराने जख्म फिर ताजा कर दिए हैं। इससे पहले वर्ष 1975 में उनके पिता जयमंगल तिवारी की घर में घुसकर गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2019 में परिवार के साथ काम करने वाले बिहार निवासी ट्रैक्टर चालक संतोष कुमार की भी गांव के कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी थी।

परिजनों के अनुसार जयमंगल तिवारी खेती-बाड़ी का काम करते थे और जमीन को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। उस समय रामेश्वर तिवारी महज तीन वर्ष के थे। मां कुंती देवी ने बच्चों का पालन-पोषण किया। बड़े होने के बाद रामेश्वर ने खेती-किसानी के साथ ट्रैक्टर, मिट्टी ढुलाई और

रामेश्वर की हत्या के बाद परिवार में उनकी तीन बेटियां और एक बेटा विकास तिवारी हैं। परिजनों ने सुरक्षा की मांग की है। घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी एस. चन्पा की विकास तिवारी ने परिवार की पुरानी घटनाओं की जानकारी दी। डीआईजी ने पुलिस को आरोपियों की पहचान कर उनके सहयोगियों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए। उधर पुलिस के अनुसार 3 अक्टूबर की रात सुबहार मोड़ पर चेंकिंग के दौरान एक सदिध ने पुलिस पर तम्बे से फायर कर दिया। जुवाबी कार्रवाई में आरोपी दीपक तिवारी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके पास से 315 बोर का तमबा, दो खोखे और एक ज़िंदा कानूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक दीपक रामेश्वर हत्याकांड में नामजद आरोपी है।

संक्षिप्तवार्ता

देवरिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज की खिड़की से गिरकर मौत, डीएम ने बैठवाई जांच

वेब वार्ता, देवरिया

देवरिया जिले के देवरिया शहर स्थित महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में सोमवार भोर एक मरीज की दूसरी मंजिल के बाई की खिड़की से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरने से मौत हो गई। घटना से मेडिकल कॉलेज में सनसनी फैल गई।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार के गोपालगंज जिले के महदेवा बाजार निवासी रामानुज चौहान (62) के रूप में हुई है। वह लीवर की बीमारी से पीड़ित था और मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। वह संदिग्ध परिस्थितियों में दूसरी मंजिल की खिड़की से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में उसे टमा सेक्टर ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने लिखित रूप से शव का पोस्टमार्टम न कराने की अर्जी देकर शव को एंबुलेंस से लेकर चले गए।

मंच पर जीवंत हुआ कर्ण का संघर्ष, रश्मिरथी ने जीता दर्शकों का दिल

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। वेबवार्ता।रसखान प्रेक्षागृह रविवार को कर्ण के शौर्य, स्वाभिमान और संघर्ष का साक्षी बना। भारतेन्दु नाट्य अकादमी, जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी रचना रश्मिरथी का भव्य मंचन हुआ। कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय ने दर्शकों को कथा से इस कदर जोड़ा कि कृष्ण की चेतावनी और कर्ण-कुंती संवाद जैसे दृश्यों पर प्रेक्षामुह तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि रश्मिरथी महज काव्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। कर्ण का चरित्र विपरीत परिस्थितियों में भी पराक्रम, स्वाभिमान और दानशीलता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को साहित्य और संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारी तेज, फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। भारत की जनगणना-2027 के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। हरदोई में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शुरू हुआ। प्रशिक्षण में गणना कार्य की बारीकियों, प्रश्नावली और मोबाइल ऐप के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती दीपाली भार्गव के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कुक्कुट विकास समिति की टीम ने बाढ़ से प्रभावित लोगों को वितरित किया अंडा

वेब वार्ता, कमर खान

उ तरौला/बलरामपुर। बलरामपुर जिले में बीते दिनों खराब मौसम आंधी पानी और राप्ती नदी के बढ़ते जलस्तर ने क्षेत्र की चिंताएं बढ़ा दी थी। जिसके बाद राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने से जिले में बाढ़ जैसे हालात हो गए थे राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से पर हो जाने के बाद कई गांव बाढ़ के पानी से प्रभावित हुए जिसमें कुछ गांव तो ज्यादा ही प्रभावित दिखाई पड़ रहे हैं। सरकार अपने तरीके से तो बाढ़ से प्रभावित

क्षेत्रों का सर्वे करा ही रही है। और किसानों को राहत देने के साथ-साथ बिजली पानी और स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों को राहत देने के लिए काम कर रही है। लेकिन वही अगर हम बात कर ले तो कई समाजसेवी भी बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए आगे आए हैं। जो बाढ़ प्रभावितों के मदद के लिए लगातार प्रयासरत है। ऐसे ही बलरामपुर जिले की कुक्कुट विकास समिति उत्तर प्रदेश की टीम ने भी मानवता की मिसाल पेश करते हुए बाढ़ प्रभावित कई गांव में लोगों को से मिलकर उनका हाल-



चाल लिया और फसलों के नुकसान के बारे में जाना और साथ ही साथ कई गांव में अंडे का वितरण किया गया। कुक्कुट विकास समिति उत्तर प्रदेश के

बलरामपुर जिले की टीम ने डीपी सिंह पूर्वांचल प्रभारी कुक्कुट विकास समिति की अगुवाई में अपनी टीम के साथ मुख्य उप पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आनंद

सिंह के साथ मलमलिया गांव के पूर्वे में बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित लोगों जो अभी भी गले तक पानी में चलकर आते जाते हैं। ग्रामीणों का हाल जाना और सैकड़ों गांव के लोगों को अंडों का वितरण करके बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाने का प्रयास किया है।

ऐसी स्थिति में कुछ चंद गांव को निकले स्तर पर बसे हुए हैं। वहां राप्ती नदी के जलस्तर का प्रभाव अच्छा खासा देखा जा सकता है। ऐसे में सरकार के साथ-साथ समाजसेवियों को उनकी

मदद के लिए आगे आना चाहिए जिससे उनका जन जीवन प्रभावित न हो। अंडों के वितरण करने वाली टीम के साथ डीपी सिंह पूर्वांचल प्रभारी कुक्कुट विकास समिति उत्तर प्रदेश, मुख्य उप पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर, याज्ञनाथ वर्मा, फिरोज खान, मोहम्मद हबीब, बदरुद्दीन, लल्ला भाई, अंजुम जनपद के और अन्य फार्मर के सहयोग से यह अंडों के वितरण का कार्यक्रम सुकुशल संपन्न हुआ।

वेब वार्ता, बहराइच

अवध वाटिका साहित्य संस्थान बहराइच के तत्वावधान में गांधी जयंती के पावन अवसर पर कवि गोष्ठी का आयोजन सेनानी भवन सभागार बहराइच में किया गया, जिसका अध्यक्षता पी0के0प्रचंड ने की, मुख्य अतिथि के रूप में मित्र राष्ट्र नेपाल के अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान केन्द्रीय समिति नेपाल के अध्यक्ष विष्णु लाल कुमाल उपस्थित रहे। संचालन

तिलक राम अजनबी ने किया तथा माँ वीणा पाणि की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इस कार्यक्रम में अवध वाटिका साहित्य संस्थान बहराइच की ओर से मित्र राष्ट्र नेपाल से आये कवि विष्णु लाल कुमाल कव्यत्रित्री सुश्री अल्पना गुप्ता, श्रीमती विमला यादव, विरेन्द्र यादव व मो0जहीरुलहक जीनू तथा बहराइच के कवि सुभाषित श्रीवास्तव अकिंचन को संस्था के अध्यक्ष पी0के0प्रचण्ड, संरक्षक राम सागर राव , उपाध्यक्ष रईस सिद्दीकी व



अन्य सदस्यों ने अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान करके

जीआरपी ने किया शातिर अपराधी गिरफ्तार

वेब वार्ता, कानपुर

पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी० द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के तहत रेल में हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम, अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण तथा आपराधिक खुलासे के निस्तारण के लिए प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओमनारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन हैरिशगंज पुल से आगे सी.पी. सी. वाशिगं लाईन की ओर जाने वाले



कच्चे रास्ते पर बने पावर हाऊस के पास से चेकिंग के दौरान एक शातिर अभियुक्त

रसीद उर्फ लाला खान (32) पुत्र लल्लू निवासी गुसियारी थाना कोतवाली मोहदा

मानवाधिकार व किशोर अधिकारों के संरक्षण के लिए जागरूकता जरूरी- पुष्पेंद्र सिंह गिल



वेब वार्ता, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा स्थित कस्बा रुपईडीहा के लार्ड बुद्ध पीजी कॉलेज के मीटिंग हाल में प्राचीन मानवाधिकार काउंसिल का 7वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मानवाधिकारों के संरक्षण के साथ किशोर अधिकारों के हनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा समाज में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला न्यायाधीश/जेएम प्रथम (अवध०) बहराइच पुष्पेंद्र सिंह गिल रहे। विशिष्ट अतिथि जिला बार एसोसिएशन बहराइच के अध्यक्ष राजेश शुक्ला तथा किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य/मजिस्ट्रेट संजय अवस्थी रहे। अतिथियों ने मानवाधिकारों और किशोरों के अधिकारों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा अधिकारों के हनन के मामलों में विधिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम का आयोजन प्राचीन मानवाधिकार काउंसिल के देवीपाटन मंडल, गोण्डा के मंडल प्रमुख मोहम्मद

असरार सिद्दीकी (एडवोकेट) द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अबुलेश एडवोकेट ने की, जबकि मंच संचालन मास्टर सर्वजीत सिंह ने किया। समारोह में प्रदेश प्रभारी प्रशासनिक सेयद नदीम अहमद, डिस्ट्रिक्ट चीफ सोशल प्रोटेक्शन रईस अहमद, मंडल प्रभारी हाजी नूर अहमद, जिला उपाध्यक्ष बहराइच दीपाशु गुप्ता, अधिवक्ता। शाहआलम,मो झाहीम एडवोकेट, आबाद अहमद एडवोकेट,सै मसदुल मन्नाम एडवोकेट, हीरालाल राव, हसन इस्तियाक, सेयद अजीम, जेनुल हक एडवोकेट, रीना सिंह नेपाल माइती, ध्रुव राज सिंह, सदान त्रिपाठी, राष्ट्रीय मन्तन सचिव, पूर्व विधायक राम सागर राव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नदीममन्ना, पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरिश्चंद्र गुप्ता उर्फ बंटे, शादाब अहमद, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन गुप्ता, हाजी अब्दुल कलीम सहित काउंसिल के पदाधिकारी, सदस्य, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समुद्र में उठी केल्विन वेव का संबंध अलनीनो से: वैज्ञानिक

कैलिफोर्निया। वैज्ञानिकों का दावा है कि प्रशांत महासागर की गहराइयों में उठने वाली केल्विन वेव का संबंध अलनीनो से। केल्विन वेव समुद्र के भीतर गर्म पानी के बाड़े पैमाने पर एक दिशा से दूसरी दिशा में बढ़ने से बनती है।

इसका संबंध अल नीनो जैसी समुद्री-वायुमंडलीय घटनाओं से बताया जाता है। ऐसी लहरें तटीय क्षेत्रों में समुद्र के जलस्तर, तापमान और मौसम संबंधी परिस्थितियों को प्रभावित कर सकती हैं। केल्विन वेव प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में विकसित हो सकती है।



सामान्य परिस्थितियों में व्यापारिक हवाएं गर्म पानी को प्रशांत महासागर के पश्चिमी हिस्से की ओर धकेलती हैं। जब इन हवाओं की ताकत कम होती है, तो पश्चिम में जमा गर्म पानी पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। इसी गर्म पानी के विशाल और लंबी दूरी तक चलने वाले प्रवाह को केल्विन

वेव कहा जाता है।

यह हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है और समुद्र की ऊपरी परतों की स्थिति को बदल सकती है। इस प्रक्रिया को बायटल के उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि टब के एक हिस्से में पानी को लगातार धकेला जाए तो पानी दूसरी

तरफ जमा हो जाता है। धक्का हटने पर पानी वापस दूसरी दिशा में फैलता है।

प्रशांत महासागर में हवाओं और गर्म पानी के बीच होने वाली प्रक्रिया कुछ इसी तरह काम करती है। केल्विन वेव की एक खासियत यह है कि इसका असर समुद्र की सतह से अधिक उसके भीतर दिखाई देता है। यह समुद्र की ठंडी गहरी परत और गर्म ऊपरी परत के बीच मौजूद थर्मोकलाइन को नीचे धकेल सकती है। इसके कारण समुद्र की ऊपरी परत का तापमान बढ़ सकता है और अल नीनो की परिस्थितियों को प्रभावित करने वाले बदलाव सामने आ सकते हैं। समुद्र का पानी गर्म होने पर उसका फैलाव होता है, जिससे कुछ तटीय क्षेत्रों में समुद्र का जलस्तर अस्थायी रूप से बढ़

सकता है।

यदि ऐसे समय में ऊंचा ज्वार या तेज तूफान भी आए, तो तटीय इलाकों में बाढ़ और समुद्री कटाव का खतरा बढ़ सकता है। विशेष रूप से निचले तटीय क्षेत्रों और समुद्र के पास स्थित बस्तियों पर इसका असर पड़ सकता है। प्रशांत महासागर में ऐसी समुद्री हलचल का प्रभाव मध्य और दक्षिण अमेरिका के तटों से लेकर उत्तर की ओर कैलिफोर्निया तथा प्रशांत उत्तर-पश्चिम के क्षेत्रों तक देखा जा सकता है। हालांकि, किसी विशेष क्षेत्र में बाढ़ या तूफान की गंभीरता केवल केल्विन वेव पर निर्भर नहीं करती। हवा, ज्वार, समुद्री तापमान और स्थानीय मौसम जैसी कई परिस्थितियां मिलकर इसका प्रभाव तय करती हैं।

भारत की युद्ध रोकने की कूटनीतिक पहल ने रुस-यूक्रेन का ध्यान खींचा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे बड़े नेता युद्ध रोकने में नाकाम रहे, वहीं भारत की कूटनीतिक पहल ने दोनों देशों का ध्यान आकर्षित किया है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के युद्धविराम प्रस्ताव को अमेरिका, तुर्की और मिस्र द्वारा दिए गए प्रस्तावों में सबसे संतुलित, प्रभावी और व्यावहारिक बताया है। यूक्रेन अब अपने ऊर्जा ठिकानों और काला सागर में हमलों को रोकने की शर्त पर युद्धविराम के लिए तैयार है, जिसके लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच सीधी मुलाकात हो सकती है। पुतिन पहले ही पीएम मोदी के विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कौब में एंड्री सिबिहा ने कहा कि भारत का सीजफायर प्रस्ताव सबसे ठोस है और यह पहला मौका है जब भारत ने इस संघर्ष में सीधी मध्यस्थ की भूमिका भिाने के संकेत दिए हैं। यूक्रेन ने रुस के साथ शांति वार्ता के लिए अपनी शर्तें रखी हैं। पहला- रुस उसके बिजली स्टेशनों और ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर मिसाइल हमले पूरी तरह रोकें।

दूसरा- काला सागर के समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए। यूक्रेनी विदेश मंत्री का मानना है कि इन शर्तों पर संपर्क रेखा पर युद्धविराम तभी संभव है जब पुतिन और जेलेंस्की आमने-सामने बैठें और भारत का प्रस्ताव इसी सीधी मुलाकात का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

बता दें भारत का यह ऑल-इन-वन शांति फॉर्मूला अन्य देशों के प्रस्तावों से अलग है क्योंकि इसने युद्ध के सभी संवेदनशील पहलुओं को एक साथ पिराया है। तुर्की और मिस्र का प्रस्ताव केवल काला सागर में अनाज आपूर्ति तक सीमित था, जबकि अमेरिकी प्रशासन ने सिर्फ ऊर्जा ठिकानों पर हमलों को रोकने का एक अधूरा दांचा पेश किया था। पीएम मोदी ने युद्ध की शुरुआत में ही पुतिन के सामने कहा था कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। पश्चिमी देशों के विपरीत, भारत ने अपनी निष्पक्ष नीति बनाए रखते हुए दोनों पक्षों का भरोसा जीता है। अगर यह पहल सफल होती है, तो यह आधुनिक विश्व के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता होगी।



बालूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध फिर भी गरीबी और तस्करी से जूझ रहा

क्वेटा। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद लंबे समय से गरीबी, बेरोजगारी, कमजोर बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। रणनीतिक रूप से यह क्षेत्र अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से जुड़ा होने के कारण अवैध तस्करी के नेटवर्क के लिए भी संवेदनशील माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कमजोर आर्थिक असर और सीमावर्ती इलाकों की भौगोलिक परिस्थितियां यहां अवैध कारोबार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान के आसपास का क्षेत्र लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी मार्गों से जुड़ा रहा है।

महाराष्ट्र में दर्ज की जाती हैं सबसे अधिक आत्महत्याएं: डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। किसी देश में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन आबादी के अनुपात में उसकी दर कम हो सकती है। इसलिए देशों की तुलना करते समय कुल मौतों के साथ प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की दर को देkhना जरूरी होता है।

आत्महत्या दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चिंता है। हालांकि अलग-अलग देशों में इसकी स्थिति एक जैसी नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, आबादी के अनुपात में आत्महत्या की सबसे अधिक दर लेसोथो में दर्ज की गई है। यहां प्रति एक लाख लोगों पर करीब 87.5 मौतें बताई गई हैं। यह दर वैश्विक औसत से काफी अधिक है।

आंकड़े यह भी बताते हैं कि कम



आबादी वाले किसी देश में कुल मौतों की संख्या कम होने के बावजूद प्रति व्यक्ति दर काफी ज्यादा हो सकती है। प्रति एक लाख आबादी पर आत्महत्या की ऊंची दर वाले देशों में दक्षिण कोरिया भी शामिल है। यहां यह दर करीब 27.5 से 29.1

मौतों के बीच बताई गई है। इसके बाद एस्वातिनी में करीब 27.2, गुयाना में लगभग 24.8 से 26.4 और उरुग्वे में करीब 24.8 मौतें प्रति एक लाख आबादी पर बताई गई हैं। अलग-अलग स्रोतों और वर्षों में आंकड़ों में कुछ अंतर हो

सकता है।

भारत की स्थिति को समझने के लिए कुल संख्या और आबादी के अनुपात को अलग-अलग देखना जरूरी है। बड़ी आबादी के कारण भारत में आत्महत्या से होने वाली कुल मौतों की संख्या काफी अधिक है। वहीं प्रति एक लाख आबादी पर दर करीब 12 से 12.5 बताई गई है, जिसके आधार पर भारत की वैश्विक स्थिति करीब 43वें स्थान के आसपास बताई जाती है। उपलब्ध आंकड़ों में वैश्विक औसत करीब 9.2 मौतें प्रति एक लाख आबादी है।

भारत में राज्यों के बीच भी तस्वीर अलग-अलग दिखाई देती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक कुल मामलों की संख्या के आधार पर महाराष्ट्र में सबसे अधिक आत्महत्याएं दर्ज की जाती हैं। इसके बाद

तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल का स्थान बताया गया है।

हालांकि जब आबादी के अनुपात में दर की बात आती है तो राज्यों की स्थिति बदल जाती है और सिक्किम में दर सबसे अधिक बताई गई है। भारत में कुछ सामाजिक समूह भी विशेष चिंता के दायरे में हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या करने वालों में दिहाड़ी मजदूरों की हिस्सेदारी 26.4 प्रतिशत बताई गई है। छात्रों और घर संभालने वालों में भी मामलों को लेकर चिंता जताई गई है। 15 से 29 वर्ष की उम्र के युवाओं को विशेष रूप से संवेदनशील समूह माना गया है। इन आंकड़ों को समझते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि अलग-अलग देशों में रिपोर्टिंग व्यवस्था, जनसंख्या संरचना और आंकड़ों की गुणवत्ता अलग हो सकती है।

महिला जिहादी कमांडर खदरा ईसा की तलाश तेज, 48 करोड़ का है इनाम

वाशिंगटन। अमेरिका ने सीरिया में सक्रिय एक महिला जिहादी कमांडर खदरा ईसा की तलाश तेज कर दी है, जिसके लिए 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 48 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया है।। सोमालिया में जन्मी और उम्र नागरिक बताई जाने वाली खदरा ईसा को अमेरिकी एजेंसियों की वांटेड सूची में शामिल किया गया है, जहां उसे हजूम्ट कका अल-सोमालीह के नाम से जाना जाता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने उस पर यह इनाम अप्रैल 2025 में की गई पिछली घोषणा के बाद दोबारा बढ़ाया है। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक खदरा ईसा का संबंध इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक महिला संगठन हाखतीबा नुसायबाह से रहा है। उसे इस संगठन में महिलाओं को धार्मिक और वैचारिक प्रशिक्षण देने वाली प्रमुख शरिया प्रशिक्षक के तौर पर देखा जाता है। अमेरिका का आरोप है कि ईसा ने इस्लामिक स्टेट की चरमपंथी विचारधारा की शिक्षा दी, जो आत्मघाती अभियानों और नागरिकों की हत्या को उचित ठहराती थी। उसने महिला सदस्यों की भर्ती की और ऐसे आदेश दिए जिनके परिणामस्वरूप कई हमले और हत्याएं हुईं।

विदेश विभाग के नोटिस में दावा किया है कि उसने एक ऐसे समूह का नेतृत्व किया। आतंकवादी संगठनों में महिलाओं की भूमिका हमेशा एक समान नहीं रही है। लंबे समय तक महिलाओं को मुख्य रूप से आत्मघाती हमलों या सामान ले जाने जैसे अभियानों में इस्तेमाल किया जाता था, जहां सुरक्षा जांच से बचने की संभावना अधिक होती थी।

चंडीगढ़ के छह स्कूलों को बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब शहर के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। पुलिस कंट्रोल रूम को मिले संदेश में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित स्कूलों को निशाना बनाने की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और संबंधित स्कूल परिसरों में सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई।

पुलिस कंट्रोल रूम को मिले संदेश में एयरफोर्स स्कूल सेक्टर-31, सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-28, डीएवी मॉडल स्कूल



सेक्टर-15, सेंट स्टीफंस स्कूल सेक्टर-45 तथा अजित स्कूल सेक्टर-41 और 45 के नाम शामिल होने की जानकारी है। इसके अलावा पंजाबी यूनिवर्सिटी परिसर स्थित अंकुर स्कूल को लेकर भी धमकी

मिलने की बात सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीमों संबंधित स्कूलों में पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था संभाली। स्कूल परिसरों के साथ आसपास के क्षेत्रों की भी जांच की जा रही है। बम निरोधक दस्ते

और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि धमकी किस माध्यम से भेजी गई और संदेश भेजने वाले की पहचान क्या है। पुलिस संदेश के स्रोत और तकनीकी विवरण की जांच कर रही है। अभी तक किसी स्कूल परिसर से संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि धमकी वास्तविक है या दहशत फैलाने के उद्देश्य से फर्जी संदेश भेजा गया। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अमेरिका की नई वीजा नीति: 50 देशों को बॉन्ड अनिवार्य, भारत को छूट

वांशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने वीजा नीति में एक बड़ा बदलाव किया है। अब पर्यटक और कारोबारी वीजा लेने के लिए 50 देशों के नागरिकों को वीजा बॉन्ड देना अनिवार्य होगा। नए नियमों के तहत इन देशों के लोगों को अब अमेरिकी वीजा लेने के लिए करीब 10 हजार से 20 हजार डॉलर का बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस सूची से भारत को बाहर रखा गया है, जिसका मतलब है कि भारतीय नागरिकों पर इन निर्देशों का कोई असर नहीं होगा। हालांकि, भारत के पड़ोसी बांग्लादेश, भूटान और नेपाल सहित कई अन्य देशों के नागरिक इस सूची में शामिल हैं। अमेरिकी

विदेश मंत्रालय की तरफ से उन देशों की सूची जारी की गई है, जिनके नागरिकों को अब वीजा बॉन्ड देना होगा। एक नागरिक अमेरिकी वीजा के लिए कितने हजार डॉलर का बॉन्ड देगा, यह उसके वीजा इंटरव्यू के आधार पर तय होगा। इसमें मुख्य रूप से तीन क्रम रखे गए हैं।

काउंसलर अधिकारी आवेदकों के इंटरव्यू के आधार पर उन्हें 10, 15 या 20 हजार डॉलर के वीजा बॉन्ड की सूची में बांट सकता है। भारत के पड़ोसी नेपाल और बांग्लादेश के लोगों के ऊपर यह नियम 21 जनवरी से लागू है, जबकि हाल ही में भूटान को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इस सूची में अफ्रीका,



केरिबियाई क्षेत्र, पश्चिम एशिया समेत अन्य क्षेत्रों के देश भी शामिल हैं। अमेरिकी

विदेश विभाग के मुताबिक उनके इन नए नियमों का लक्ष्य अमेरिका में आने वाले

विदेशी नागरिकों के जरूरत से ज्यादा रुकने पर रोक लगाना है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि ऐसा नहीं है कि अगर आपका वीजा बॉन्ड जमा किया जाता है, तो उसके बाद आपका वीजा पक्का हो जाएगा। उन्होंने कहा कि काउंसलर अधिकारियों को वीजा जारी करने से पहले बॉन्ड जमा करवाने का अधिकार है, हालांकि इसके बाद भी वीजा देना है या नहीं, यह अमेरिकी विदेश विभाग के ऊपर निर्भर करेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि बॉन्ड जमा करने से वीजा की गारंटी नहीं मिलती। बता दें, अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन शुरुआत से ही दूसरे देशों से आने वाले

प्रवासियों के लिए सख्त नियम अपना रहा है। पिछले दो सालों से ट्रंप सरकार ने अप्रवासियों को लेकर काफी कड़े नियम अपनाए हैं। कभी दूसरे देशों से आने वाले प्रवासियों की दम पर बसा अमेरिका, ट्रंप सरकार में गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में आ रहे लोगों को हवाईग्राहज में भरकर उनके देश भेजने के लिए भी जाना जाता है। अपने कार्यकाल की शुरुआत में ट्रंप ऐसा कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने अमेरिका की जन्म आधारित नागरिकता संबंधी नियम को भी बदलने की कोशिश की है। वर्तमान नियमों के मुताबिक अमेरिका में आने वाले लोगों को अब सख्त नियमों का पालन करना होगा।

डब्ल्यूएचओ ने आगाह किया बच्चों में आंख के कैंसर को लेकर

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रीय कार्यालय ने बच्चों में होने वाले एक दुर्लभ लेकिन गंभीर प्रकार के आंख के कैंसर, रेटिनोब्लास्टोमा, को लेकर लोगों को आगाह किया है।

रेटिनोब्लास्टोमा वह कैंसर है जो आंख के पीछे मौजूद रेटिना में विकसित होता है। यह बीमारी मुख्य

रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और ज्यादातर मामले तीन साल से कम उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं, जो इसे और भी चिंताजनक बना देता है। इस बीमारी की समय पर पहचान और उचित इलाज होने पर कुछ देशों में ठीक होने की दर 95 प्रतिशत से अधिक बताई गई है, यही वजह है कि इसके शुरुआती संकेतों को पहचानना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। रेटिनोब्लास्टोमा का एक प्रमुख शुरुआती संकेत बच्चे की आंख की पुतली (प्यूपिल) में असामान्य

सफेद चमक दिखाई देना है।

आमतौर पर, कैमरे की फ्लैश या तेज रोशनी में बच्चों की आंखों में लाल रंग की सामान्य चमक दिखाई देती है, जो रेटिना से प्रकाश के परावर्तन के कारण होती है। लेकिन, अगर बच्चे की एक या दोनों आंखों की पुतली में लाल रंग के बजाय असामान्य रूप से सफेद चमक नजर आए, तो इसे कदापि सामान्य न मानें। इस सफेद चमक को कभी-कभी बिल्ली की आंख या ल्यूकोकोरिया भी कहा जाता है। यदि यह लक्षण बार-बार दिखाई दे रहा है या नोटिस



किया जा रहा है, तो बच्चे की आंखों

की तत्काल जांच कराना आवश्यक

है। दूसरा महत्वपूर्ण संकेत है आंख का एक दिशा में मुड़ना या तिरछा होना। अगर बच्चा सामने देखते समय एक आंख को बार-बार अंदर की तरफ (अंदरूनी भंगापन) या बाहर की तरफ (बाहरी भंगापन) घुमाता है, तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में स्ट्रैबिस्मस कहा जाता है। कई बार माता-पिता इसे केवल लेजी आई या सामान्य भंगापन समझकर हल्के में ले लेते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह रेटिनोब्लास्टोमा का एक गंभीर संकेत

भी हो सकता है। रेटिनोब्लास्टोमा एक आंख में भी विकसित हो सकता है और दोनों आंखों में भी। इसके विकास में आरबी। जीन में होने वाला बदलाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ मामलों में यह बदलाव वंशानुगत होता है, जबकि कई मामलों में यह अपने आप विकसित होता है। माता-पिता और देखभाल करने वालों की भूमिका बीमारी की शुरुआती पहचान में बेहद अहम है। बच्चे की आंखों में उपर्युक्त असामान्य बदलाव दिखाई देने पर, घरेलू उपायों या इंतजार के बजाय,

जल्द से जल्द किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ या बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना ही सर्वोत्तम उपाय है ताकि सही समय पर निदान और उपचार संभव हो सके। मालूम हो कि माता-पिता अक्सर बच्चों की सेहत को लेकर छोटी से छोटी बात पर भी पूरा ध्यान देते हैं, वहीं बच्चों के आंखों से जुड़े कुछ संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं। विशेषज्ञों की माने तो छोटे बच्चों की आंखों में अगर कुछ असामान्य बदलाव दिखाई दे, तो इसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए और तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

जीपीएम में सेवा सेतु बना जनता और शासन के बीच समाधान का सेतु

➤207 में से 197 आवेदनों का मौके पर निराकरण’

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में सेवा सेतु अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन के द्वार तक पहुंचाने की पहल प्रभावी साबित हो रही है। जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद पेंड्रा के संयुक्त तत्वावधान में पेंड्रा के असेंबली हॉल में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त कुल 207 आवेदनों में से 197 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का समाधान मिलने से नागरिकों को त्वरित राहत मिली। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां अधिकारियों-कर्मचारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई की। शिविर की विशेष उपलब्धि यह रही कि प्राप्त 207 आवेदनों में से लगभग 95 प्रतिशत यानी 197 आवेदनों का मौके पर ही



समाधान कर दिया गया। शेष आवेदनों पर भी नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, सेवाओं, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्रवाई भी की गई। विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से लोगों को अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। इससे समय और श्रम की बचत के साथ समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित हुआ। सेवा सेतु अभियान शासन और आमजन के बीच सीधा

संवाद स्थापित करने तथा प्रशासनिक सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का यथासंभव मौके पर समाधान करने के साथ ही पात्र हितग्राहियों तक जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। वहीं शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली स्वच्छता दीर्घियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सेवा सेतु शिविर ने एक ही छत के नीचे शासन की विभिन्न सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाकर जनसमस्या निवारण की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाया। बड़ी संख्या में आवेदनों का मौके पर निराकरण इस पहल की प्रभावशीलता को दर्शाता है। शिविर के माध्यम से प्रशासन ने त्वरित समाधान और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को भी साकार किया।

‘एक कदम समानता की ओर’, लैंगिक संवेदनशीलता पर छात्राओं को किया जागरूक

रायपुर। संत गोविंद राम शदाणी, शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, देवेन्द्र नगर, रायपुर में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन पी.एम. उषा के अंतर्गत संपन्न हुआ जिसका शीर्षक लैंगिक संवेदनशीलतादृष्टिके कदम समानता की ओर- आयोजित किया गयाद्य कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से की हुई। उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया राव वरिष्ठ प्राध्यापक विधि विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर थींद्य महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. उषा किरण अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने ज्ञान का प्रचार- प्रसार करना और समाज को जागरूक करना ही हमारे उत्तरदायित्व का बोध कराता हैद्यमाता-पिता द्वारा संस्कारगत शिक्षा देना ही संवेदनशीलता की पहली सीढ़ी है, आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्राओं में भावनात्मक मजबूती, वैचारिक दृढ़ता के साथ-साथ दया और करुणा के भाव भी होद्य मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया राव ने अपने



उद्बोधन में कहा कि सामाजिक सहभागिता निभाने के लिए कानूनी अधिकारों की वांछित जानकारी बहुत जरूरी है लैंगिक संवेदनशीलता और महिला संबंधी कानूनी जानकारी साझा करना भी आज के संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य हैद्य स्त्रियों के प्रति हो रहे पक्षपाती व्यवहार की शुरुआत घर और परिवार से ही होती है जो एक स्वस्थ समाज के लिए नुकसानदायक है सामाजिक बदलाव घरेलू व्यवहार से ही लाए जा सकते हैं, महिला सुरक्षा संबंधी अनेक कानून आ रहे हैं जिससे उनके सुरक्षा ,सम्मान और आत्मनिर्भरता में बढोतरी देखने को मिल रही है।

जीत का अहंकार न करें, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती : मंत्री वर्मा

➤ ‘26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का सारंगढ में रंगारंग आगाज’

➤ ‘5 संभागों के 330 खिलाड़ी दिखा रहे अपना दम’



रायपुर। सारंगढ की पावन धरा पर रविवार को खेल, उत्साह और राज्य स्तरीय खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। मौका था 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के भव्य शुभारंभ का। इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने सारंगढ-बिलाईगढ जिले को खेल और शिक्षा के क्षेत्र में दो बड़ी सौगातें देते हुए जिले में सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड तथा डाइट (कम्प्न्) कॉलेज प्रारंभ करने की ऐतिहासिक घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अवगत कराया कि जिले में नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव आगे की प्रक्रिया में हैं, और राज्य सरकार स्कूल अधोसंरचना के विकास व आवश्यक जीर्णोद्धार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा

ने खिलाड़ियों में नया जोश भरते हुए कहा कि खेलोले तो जीतोले, खेलोले तो हारोले, लेकिन नहीं खेलोले तो केवल दर्शक बनकर रह जाओगे। हार से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए और विजेता खिलाड़ियों को कभी अहंकार नहीं करना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में भी प्रयास जारी रखने वाले ही जीवन में नई ऊंचाइयों को छूते हैं। ‘4 दिवसीय महाकुंभ 5 संभाग, 330 खिलाड़ी और 3 प्रमुख खेल’ खेलभांडा मैदान सारंगढ में 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के पाँचों संभागोंकुविलासपुर, रायपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा-से-आए 330 बाल-खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि जीतने के लिए सबसे पहले मैदान में उतरना जरूरी है।

सेवा संकल्प अभियान से गांवों तक पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए बलरामपुर जिले में दो शिविर आयोजित किए गए। ग्राम भेलवाडीह में ग्राम पंचायत भवन परिसर में मेगा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जबकि क्लस्टर ग्राम सेमली (ओबरी) में जन समस्या समाधान शिविर आयोजित हुआ। दोनों शिविरों में कुल 225 मरीजों की ओपीडी हुई और उन्हें स्वास्थ्य जांच, परामर्श तथा आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। आयोजित शिविरों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को विभिन्न सेवाओं और योजनाओं की जानकारी दी। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुज कुमार टोप्पो

और बीईटीओ श्री अजीत गुप्ता के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविरों में बाल एवं वृद्धजन देखभाल, वय वंदना योजना, आयुष्मान कार्ड पंजीयन एवं जन औषधि केंद्र से दवा वितरण सहित स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े स्टॉल लगाए गए। टीबी मुक्त भारत अभियान के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी और सेवाएं उनके गांव तक पहुंचीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने शिविरों के स्टॉलों और मेगा स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया।

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है: राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित ‘रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026’ में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया। मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जहाँ भी गति एवं संकल्प से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं। राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा



देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में ला दिया है। गुगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारीयां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है।

तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है।

तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र का बहुत महत्व है। हमें अपने संबंधों को सहेजकर रखना चाहिए और सफलता मिलने पर भी विनम्र बने रहना चाहिए। ज्ञान लीजिए, ज्ञान दीजिए और इसका दान करिए यही सच्ची मानवीय परंपरा है। रज्यपाल ने कहा कि मानव का बौद्धिक गुण सर्वोपरि है। तकनीक का उपयोग रचनात्मक कार्यों और समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा एक सकारात्मक संदेश लेकर जाएंगे कार्यक्रम में कोशल उजयन्त, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहिब, बॉलीवुड संगीतकार मोटी शर्मा, रोल-बोल संस्था के पदाधिकारी तथा राजनीति, मीडिया, उद्योग और सिनेमा से जुड़े विशिष्टजन उपस्थित थे।

7 अक्टूबर तक जगदलपुर में और दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक लगेगा नि:शुल्क विशाल दिव्यांग सेवा शिविर

आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर आएगा बस्तर, पीड़ितों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ-पैर



रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि बस्तर अब आईईडी विस्फोटों की विरह वेदना से बाहर निकलने को तैयार है। वर्षों तक नक्सल हिंसा के दौर में बस्तर के अनेक इलाकों में सड़कों, नदी-तालाबों के किनारे और स्कूलों के आसपास लगाए गए आईईडी की चपेट में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ आम नागरिक और पशु भी आए। कई नागरिकों ने इन विस्फोटों में अपने हाथ-पैर गंवाए और आज भी दिव्यांगता के साथ कठिन जीवन जी रहे हैं। जिनकी वेदना को कम करने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ शासन भी लगातार प्रयासरत है। ऐसे लोगों के जीवन की मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग में दो चरणों में विशाल नि:शुल्क दिव्यांग सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पहला तीन दिवसीय शिविर 5, 6 और 7 अक्टूबर को बस्तर के जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित होगा। इसमें बस्तर, कांकेर, नारायणपुर और कोण्डगांव जिले के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे। दूसरा शिविर 15, 16 और 17 अक्टूबर को दंतेवाड़ा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। इन शिविरों में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के तकनीकी सहयोग से जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। उपलब्ध विभागीय विवरण के अनुसार जगदलपुर में आयोजित होने वाले शिविर के लिए चार जिलों में कुल 2,953 दिव्यांगजन चिन्हंकित किए गए हैं। इनमें बस्तर के

1,570, कोण्डगांव के 1,080, कांकेर के 236 और नारायणपुर के 67 दिव्यांगजन शामिल हैं। समाज कल्याण विभाग के सहयोग से दिव्यांगों की अ्यंग सहायक उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, वैशाखी, स्मार्ट छड़ी, वॉकिंग स्टिक, छड़ी, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिपर्स एवं दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी उपकरणों का भी वितरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आईईडी किसी को पहचानता नहीं था। उसकी चपेट में कभी जवान आए, कभी आम नागरिक और कभी पशु। जिन नागरिकों ने विस्फोटों में अपने पैर या हाथ गंवाए, उनका जीवन बच तो गया, लेकिन उन्हें वर्षों से कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। अब प्रयास है कि ऐसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी जरूरत के अनुरूप की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं।

‘आईईडी मुक्त बस्तर के साथ ही आईईडी के प्रभावितों के साथ भी सरकार’: श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद की समाप्ति के

लोक सेवा गारंटी के दायरे में आई माशिम की महत्वपूर्ण सेवाएं



गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था की अधिक विद्यार्थीकेंद्रित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई और भविष्य निर्माण में लगाएं, न कि जरूरी दस्तावेजों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में। लोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ माशिम की महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयबद्ध किया गया है। इससे विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा में उपलब्ध हो सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची, उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तरपुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को समय-सीमा से जोड़ा गया है। डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी से संबंधित सेवाएं भी निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 60 दिवस की समय-सीमा में प्रदान की जाएंगी। स्कूल शिक्षा मंत्री

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के एक वर्ष: दूरस्थ गांवों तक पहुंची सार्वजनिक परिवहन की सुविधा

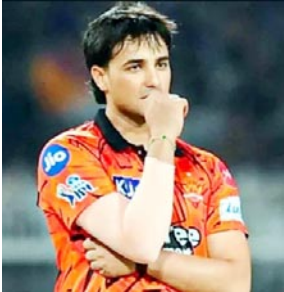
रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने अपने एक वर्ष के सफर में ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। सूरजपुर जिले में योजना के तहत विभिन्न मार्गों पर बसों का संचालन हो रहा है, जिससे गांवों का संपर्क नगरों, बाजारों और प्रमुख सेवा केंद्रों से बेहतर हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को आवागमन के लिए निजी साधनों या अन्य वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था। समय पर साधन न मिलने से स्कूल-कॉलेज पहुंचना, अस्पताल जाना और जरूरी शासकीय काम पूरे करना कई बार कठिन हो जाता था। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से अब ग्रामीणों को इन आवश्यकताओं के लिए



सार्वजनिक परिवहन का नियमित विकल्प मिल रहा है। सूरजपुर जिले में योजना के अंतर्गत आठ बसों का संचालन किया जा रहा है। बसें सूरजपुर से बैकुण्ठपुर, ओड़ुगी से चुईडीह, प्रेमनगर से महंगई, भैयाथान से डुमरिया (कोरिया), सूरजपुर से कालीपुर, अर्जुनपुर से मोहनपुर, रामानुजगर से पोड़ी, केवरा से प्रतापपुर तथा नामदगिरी से चाची मार्ग पर चल रही हैं। इन मार्गों से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, बाजार, तहसील और ब्लॉक

मुख्यालय तक पहुंचने में सुविधा मिल रही है। योजना का लाभ विद्यार्थियों और मरीजों से लेकर किसानों तथा अन्य ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता से दैनिक आवागमन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और जरूरी शासकीय सेवाओं तक पहुंच भी आसान हुई है। नवापारा निवासी श्रीमती सुनैना के परिवार के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा जरूरत के समय सहाय बनी। वे बताती हैं कि पहले बच्चों को अस्पताल ले

आईपीएल के अगले सत्र में सनराइजर्स से शायद ही खेलें अभिषेक



मुम्बई। आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के आईपीएल 2027 सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। जिस प्रकार से इशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। उसके बाद से ही अभिषेक के टीम से जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। वैसे भी आईपीएल की अगली नीलामी से पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों को बनाए रखने और रिलीज करने को लेकर बातें चल रही हैं। अभिषेक साल 2019 से ही सनराइजर्स से खेलते रहे हैं और उन्होंने लंबे समय से टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई है।

मौजूदा जानकारी के अनुसार, पिछले सत्र से ही सनराइजर्स के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। इशान को कप्तानी दिए जाने के बाद उनकी नाराजगी की खबरें सामने आई हैं, जिसने इन अटकलों को और बल मिला है।

हालाँकि, अभिषेक शर्मा के अगले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद छोड़ने को लेकर अभी

कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। वहीं कहा जा रहा है कि उनसे कई फ्रेंचाइजी की अनौपचारिक स्तर पर बातचीत हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकला है। माना जा रहा है कि वह मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स में जा सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स भी उनको ले सकता है। इसका कारण है कि उनके गुण युवराज सिंह दिल्ली से जुड़ गये हैं।

वहीं दूसरे ओर सनराइजर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. शनमुगम का कहना है कि अभिषेक टीम में ही रहेंगे। ये भी सही है कि अभी तक न ही अभिषेक और फ्रेंचाइजी ने टीम से अलग होने की कोई बात की है।

गौरतलब है कि 2027 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है, जिसके चलते पेट कमिंस जैसे अंतरराष्ट्रीय कप्तान की उपलब्धता पर सवाल बने हुए हैं। यही वजह है कि सनराइजर्स हैदराबाद ने कप्तानी के लिए इशान किशन को लिया है।

अगर सनराइजर्स हैदराबाद और अभिषेक शर्मा अलग होने पर सहमत होते हैं, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस टीम में जाएंगे और यह बदलाव किस तरीके से होगा। सभी टीमों के पास दिसंबर में होने वाली छोटी नीलामी से पहले अपने मुख्य खिलाड़ियों को तय करने के लिए एक महीने से अधिक का समय है।

ओलंपिक में सीधे प्रवेश से अब तैयारियों के लिए अधिक समय मिलेगा : मनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट मिलने से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब वह दुने उत्साह से ओलंपिक की तैयारियों में लगेगी। मनप्रीत के अनुसार एशियाई खेलों में जीत से ये लाभ हुआ है कि टीम को सीधे ओलंपिक में जगह मिली है। जिससे अब उसके पास तैयारियों के लिएस काफी समय हो गया है। ऐसे में टीम अब आराम से अपनी कमजोरियों को दूसर करने पर काम कर सकती है। टीम के ओलंपिक जैसे बड़े

आयोजन के लिए सुनियोजित तैयारी करने का समय मिल गया है। यह एक रणनीतिक लाभ है जो भारतीय हॉकी को विश्व मंच पर अपनी स्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा।

मनप्रीत ने कहा कि एशियाई खेल टीम के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। उन्होंने कहा, एशियाई खेल हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने इससे सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें अब ओलंपिक क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और इस दौरान हम अपने कौशल को बेहत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि साल 2027 में होनेवालेएकदिवसीय विश्वकप में अब ज्यादा समय नहीं है। ऐसे में अब टीम संयोजन में और अधिक प्रयोग नहीं किये जाएंगे। शुभमन के अनुसार अब टीम अब तक के प्रयोगों के बाद पाये गये सबसे बेहतर संयोजन के साथ आने वाले मुकामलों में उतरेंगी।

भारतीय टीम ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में पहले दो मैच जीते थे पर अंतिम मैच में तीन सौ से अधिक रन बनाने के बाद भी उसके गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाये थे। जिससे उसके हाथ से मुकामबला निकल गया। इससे सबक लेते हुए टीम को

अपनी गेंदबाजी की कमजोरी को दूर करना होगा। इस सीरीज में हालांकि भारतीय टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों के बीच ही खेलना पड़ा था क्योंकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित कई खिलाड़ी एशियाई खेलों के लिए गये हुए थे। दिया। इससे कई बैकअप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। वहीं हार्दिक पंड्या और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ियों की चोटों ने भी टीम को मुश्किलें इस सीरीज में बढ़ाई थीं। ऐसे में टीम को अनुभवी के साथ ही युवाखिलाड़ियों को भी टीम में उतरना पड़ा था।

इन हालातों में ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, अंशुल कंबोज और आकिब नवी जैसे



खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में अपनी दायेदारी पेश करने का अवसर दिया। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी और गुरनूर बराड़ जैसे युवा खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा

है। गिल ने स्वीकार किया कि यह इन खिलाड़ियों के लिए अपने को साबित करने का अच्छा मौका था पर अब वह अगली सीरीज से टीम की पहली पसंद को लाइन-अप और

राहुल का शतक गया बेकार, अनचाहा रिकॉर्ड भी बना

चंडीगढ़। भारतीय टीम की ओर से केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतकीय पारी खेली थी फिर भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में राहुल ने 129 रनों की शतकीय पारी खेली थी जो भारतीय टीम की हार के कारण बेकार चली गयी। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल केवल 1 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रोहित शर्मा और रुतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी की। हालांकि, 160 के स्कोर तक ये दोनों बल्लेबाज



भी आउट हो चुके थे। ऐसे मुश्किल समय में नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने 87 गेंदों पर 10 चौकों और 9 छक्कों की सहायता से नाबाद 129 रनों की पारी खेलकर टीम

इंडिया को 351 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। राहुल के इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम जीत हासिल नहीं कर पाई। वेस्टइंडीज ने कप्तान शार्द होप के शानदार नाबाद शतक 162 रनों की सहायता से मेहमान टीम ने ये लक्ष्य 48.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज के लिए यह एकदिवसीय क्रिकेट में सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछ करते हुए जीत का सबसे बड़ा लक्ष्य था। इस मैच में भारतीय टीम की हार के साथ ही राहुल एक ऐसे अवांछित रिकॉर्ड में शामिल हो गए हैं, जिसमें भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी पहले से मौजूद हैं। राहुल के एकदिवसीय करियर का यह नौवां शतक था, मगर दुखद बात यह है कि इनमें से 4 शतक टीम इंडिया की हार के बीच लगे हैं।

विश्व कप संयोजन न को ध्यान में रखते हुए ही खिलाड़ियों को उतारेंगे।

शुभमन ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उन्हें अपेक्षित गेंदबाजी लाइन-अप नहीं मिल पाई, जो उनके नियंत्रण से बाहर था। उन्होंने कहा, यह उन खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है, जो हमारी पूरी ताकत वाली लाइन-अप होती तो शायद टीम में नहीं होते। इसलिए उनके पास अपना कौशल दिखाने का यह शानदार अवसर था।

हालाँकि, कप्तान ने स्पष्ट कर दिया कि 2027 विश्व कप को देखते हुए अब टीम के पास बहुत अधिक प्रयोग करने का समय नहीं बचा है। वहीं उनका कहना है कि जिन

खिलाड़ियों के साथ भारत विश्व कप में उतरेगा, उन्हें जल्द से जल्द एक साथ मैदान पर उतारा जाएगा। इससे साफ है कि न्यूजीलैंड दौरे में वहीं खिलाड़ी उतरेंगे जो विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं में शामिल हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड दौरा टीम के लिए बेहद अहम है। इसमें पांच एकदिवसीय होने से खिलाड़ियों को अभ्यास का भी अच्छा अवसर मिलेगा। वेस्टइंडीज सीरीज में परांपरा करने वाले अंशुल कंबोज और आकिब नवी का प्रदर्शन भले ही बहुत प्रभावी न रहा हो, फिर भी गिल ने दोनों का समर्थन किया है। उन्होंने संकेत दिया कि ये खिलाड़ी आगे भी टीम की योजनाओं का हिस्सा रह सकते हैं।

कोहली और रोहित की नजरें न्यूजीलैंड के खिलाफ अधिक से अधिक रन बनाने पर होंगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा की नजरें अब अगले माह न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगी रहेंगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से इन दोनों ने ही आगामी एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। अब इनकी नजरें कीवी दौरे में भी अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत करना रहेगा। टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ये दोनों ही दिग्गज खिलाड़ी अभी केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। इनका ध्यान अब साल 2027 में होने वाले विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ लय को बनाये रखना रहेगा। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई घरेलू वनडे सीरीज में इन दोनों दिग्गजों ने अपने बल्ले की चमक से पूरी दुनिया का दिल जीत लिया था। विराट कोहली ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए मात्र 3 पारियों में 84.00 के शानदार औसत से कुल 168 रन बनाए, जिसमें पहले ही मैच में महज 88 गेंदों में उनकी नाबाद 139 रनों की शतकीय पारी शामिल थी। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 15,000 रन भी पूरे किए, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले वह दुनिया के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए। कप्तान रोहित शर्मा ने भी अपनी 3 पारियों में 112.50 के औसत से कुल 225 रन बनाए, जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में सिर्फ 75 गेंदों पर खेली गई उनकी 101 रनों की प्रभावाशाली शतकीय पारी और तीसरे मुकामले में 92 रनों की आक्रामक न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज 4 नवंबर से ऑकलैंड में पहले एकदिवसीय के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह पूरी सीरीज ऑकलैंड, वेलिंगटन, हैमिल्टन और माउंट माउंगानुई के मैदानों पर खेली जाएगी। वनडे मुकामलों के पूरे कार्यक्रम के अनुसार, पहला मैच 4 नवंबर को ऑकलैंड में, दूसरा मैच 7 नवंबर को वेलिंगटन में, तीसरा मुकामला 10 नवंबर को हैमिल्टन में, तथा चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई के मैदान पर खेला जाएगा।



कारोबार

एप्पल तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है 13 अक्टूबर को



नई दिल्ली। आगामी 13 अक्टूबर को एप्पल कंपनी अपने स्मार्ट होम सेगमेंट को मजबूत करने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस दिन तीन नए डिवाइस लॉन्च कर सकती है। एप्पल का लंबे समय से प्रतीक्षित स्मार्ट होम हब होमपैड इसमें प्रमुखता से शामिल है। इसके अलावा होमपैड मिनी का एक नया संस्करण

और अपडेटेड एप्पल टीवी भी पेश किए जाने की संभावना है। यह लॉन्च एप्पल के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि होमपैड कंपनी को एक नई प्रोडक्ट कैटेगरी में लाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इन तीनों डिवाइस में एप्पल की नई सिरी एआई तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। होमपैड स्मार्ट होम हब में लगभग 6 इंच की स्क्रीन, सिरी

एआई, आवाज और चेहरे की पहचान जैसी उन्नत सुविधाएं मिल सकती हैं। इसे घर के विभिन्न स्मार्ट डिवाइसों को नियंत्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे यह एक केंद्रीय कंट्रोल प्वाइंट बन जाएगा।

वहीं, नया होमपैड मिनी अपने मौजूदा डिजाइन को बरकरार रखते हुए अधिक तेज चिप के साथ आएगा, जो परफॉर्मंस में सुधार करेगा। इसके अलावा, नया एप्पल टीवी भी अपने पुराने डिजाइन के साथ बेहतर प्रोसेसर और सिरी एआई सपोर्ट के साथ आने की उम्मीद है, जिससे मनोरंजन अनुभव और अधिक स्मार्ट और सबज हो जाएगा। एप्पल स्मार्ट होम मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, और ये नए डिवाइस कंपनी की इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

सोने की कीमतों में भारी गिरावट, 2.27 लाख रुपये प्रति किग्रा हुए चांदी के दाम

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मिलाजुला कारोबार देखा गया. शुरुआत सत्र में सोने में 0.48 प्रतिशत की गिरावट और चांदी में 0.53 प्रतिशत की तेजी देखी गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मजबूती के साथ 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला.

हालाँकि, शुरुआती कारोबार में ही इसमें बिकवाली देखने को मिली और यह सुबह 11:45 पर 719 रुपए या 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,49,671 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था. अब तक के कारोबार में सोने ने 1,48,850 रुपए प्रति 10



ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,51,197 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ.

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,25,877 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,25,900 रुपए प्रति किलो पर खुला. खबर लिखे जाने

तक यह 1,192 रुपए या 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,27,069 रुपए प्रति किलो पर था. अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,25,601 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर

आरबीआई, तिमाही नतीजे और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की नई दिशा

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद निवेशकों की नजर मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर

मुंबई। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट से जूझ रहे भारतीय शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का फैसला मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते व्याज जैसी प्रमुख घटनाएं बाजार की दिशा तय करेंगी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 अक्टूबर



तक होगी, जिसका फैसला 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आएगा। निवेशक न केवल व्याज दरों पर समिति के

समझेंगे, जो भविष्य की व्याज दर नीतियों का संकेत देगा। इसी सप्ताह मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे। दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 8 अक्टूबर को अपने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेगी। इन नतीजों और प्रबंधन की टिप्पणियों से निवेशकों को आईटी क्षेत्र की मांग और कंपनियों के प्रदर्शन के बारे में शुरुआती संकेत मिलेंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर व्याज कई साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे उभरते बाजारों से विदेशी पूंजी का बहिर्प्रवाह हो सकता है, जिसका असर भारतीय

बाजारों पर पड़ेगा। उधर, पश्चिम एशिया में तनाव और होमूज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है, जो भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए चिंताजनक है। बौते सप्ताह भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा, जहां सेंसेक्स 4 दिन में 1800 अंक से अधिक टूटा और निफ्टी में भी 3 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है, जिससे यह सप्ताह और भी चुनौतीपूर्ण बन सकता है।

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ खुला. सुबह 9:20 पर सेंसेक्स 435 अंक या 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 72,345 और निफ्टी 110 अंक या 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,532 पर था.

शुरुआती कारोबार में पीएसयू स्टॉक्स में खरीदारी देखी जा रही है. सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी पीएसई टॉप गेनर्स थे. निफ्टी एनर्जी, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी मेटल, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी एफएमसीजी हरे निशान में थे.

मजबूत वैश्विक संकेतों से ग्रीन जोन में खुला शेयर बाजार, पीएसयू स्टॉक्स में खरीदारी

दूसरी तरफ, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी और निफ्टी कंपन्यां लाल निशान में थे. लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूती के साथ कारोबार हो रहा था. निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 426 अंक या 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,158 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 138.55 अंक या 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,197 पर था.

बाजार जानकारों ने कहा कि बाजार अभी एक सपोर्ट जोन के बहुत करीब है, जो 21,743 और 22,182 से बना है. ये क्रमशः 2025 और 2026 की गिरावट के बाद का निचला स्तर हैं, जो दोनों अप्रैल के महीनों में देखे गए थे. इस सपोर्ट जोन ने पिछली दो बार बड़ी

गिरावट को पलटने में मदद की है, इसलिए हमें उम्मीद है कि इस बार भी ऐसा ही होगा. दूसरी ओर, अगर यह जोन टूटता है, तो कोविड-19 के समय से चल रही तेजी का अप्रैट्टेड खत्म हो सकता है और इंडेक्स 19,000 और 16,700 के स्तर तक गिर सकता है. ये कोविड के निचले स्तर से क्रमशः 38 प्रतिशत और 50 प्रतिशत रिट्रेसमेंट लेवल हैं. ज्यादातर एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार हो रहा था. टोक्यो, बैंकॉक और जकार्ता हरे निशान में थे. वहीं, हांगकांग लाल निशान में था. अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को हरे निशान में बंद हुए थे, जिसमें डाओ जेने निशान में 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ और नैसडेक 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ.

ग्वालियर में मौसम बदलते ही कम हुआ लंपी वायरस का प्रकोप

अब तक 60 हजार मवेशियों का टीकाकरण

ग्वालियर। जिले में मौसम के बदलते ही लंपी रिकन डिजीज से पीड़ित गोवश और पशुपालकों को बड़ी राहत मिली है। मानसून की विदाई और वर्षा थमने के साथ ही शहर में लंपी वायरस का प्रकोप तेजी से कम होने लगा है।

नगर निगम के मदाखलत और पशु चिकित्सा अमले द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से संक्रमण की चपेट में आए गोवंश को रतवाई स्थित गोशाला पहुंचाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि जहां पहले रोजाना पांच से 10 लंपी संक्रमित गोवंश गोशाला पहुंचाए जा रहे थे, वहीं अब यह संख्या घटकर रोजाना केवल एक से दो पर आ गई है।



मौसम में बदलाव और ठका संक्रमण

पशु चिकित्सकों के अनुसार, लंपी वायरस का प्रसार मुख्य रूप से बरसात के मौसम में मक्खी, मच्छर और किलनी जैसे कीटों के माध्यम से तेजी से होता है। मानसून के दौरान वातावरण में नमी अधिक होने के कारण यह कीट अत्यधिक सक्रिय रहते हैं, जिससे एक संक्रमित गोवंश से दूसरे स्वस्थ

गोवंश में वायरस आसानी से फैल जाता है। वर्षा थमने और धूप खिलने के साथ ही कीटों का असर कम हुआ है, जिससे लंपी वायरस का संक्रमण चक्र टूट रहा है।

अब तक 60 हजार गोवंश का हुआ टीकाकरण

लंपी वायरस की रोकथाम के लिए जिले भर में व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया गया। विभाग की टीमों द्वारा ग्रामीण और

गोशाला में 20 गोवंश का चल रहा इलाज

रतवाई गोशाला में बनाए गए विशेष आइसोलेशन वार्ड में अभी भी लगभग 20 संक्रमित गोवंश का डॉक्टरों की निगरानी में उपचार चल रहा है। इन गोवंशों को स्वस्थ गोवंश से बिल्कुल अलग रखा गया है और उन्हें एंटीबायोटिक्स, मल्टीविटामिन दी जा रही हैं। पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों को सलाह दी है कि भले ही वायरस का प्रकोप कम हो गया हो, लेकिन फिर भी सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है। यदि किसी गोवंश में शरीर पर गांठें बनने, बुखार आने या सूखी जैसे लक्षण दिखें, तो उसे तुरंत अन्य मवेशियों से अलग करें और नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र में संपर्क कर उपचार कराएं।

शहरी क्षेत्रों को मिलाकर अब तक लगभग 60 हजार से अधिक गोवंश का गोट पाक्स वैक्सीन से निःशुल्क टीकाकरण किया जा चुका है। हालांकि, बीमारी की चपेट में आने से गोवंश की मृत्यु दर को लेकर विभाग और स्थानीय लोगों के दावों में अंतर देखने को मिल रहा है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक लगभग 65 गोवंश की मौत दर्ज की गई है, जबकि स्थानीय पशुपालकों और गोसेवकों का मानना ​​है कि

वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक है। शहर के विभिन्न हिस्सों में मरने वाले गोवंश की संख्या ही

दर्ज नहीं की गई है। ऐसे में लंपी से मरने वाले गोवंश की संख्या कहीं अधिक रहा है।

इनका कहना है

मौसम में बदलाव के साथ जिले में लंपी वायरस का प्रकोप कम हुआ है। अब रतवाई गोशाला में निगम से संक्रमित गोवंश को ले जाने की संख्या काफी कम हो गई है। महज एक या दो गोवंश ही गोशाला पहुंच रहे हैं। गोशाला में संक्रमित पशुओं का इलाज किया जा रहा है। अभी तक 60 हजार से अधिक गोवंश का वैक्सीनेशन कर दिया गया है।

डॉक्टर दिलीप गुप्ता
उप संचालक, पशुपालन

भोपाल में नवविवाहिता की मौत, जहरीला पदार्थ पीने की आशंका



भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र के आदमपुर छावनी में 23 वर्षीय नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ पीकर खुदकुशी कर ली। शुक्रवार दोपहर तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उसे 1250 अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। यहां शनिवार रात करीब आठ बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तीन साल पहले की थी अपनी पसंद से शादी

पुलिस के अनुसार रेखा पति लखन नायक आदमपुर छावनी में रहती थी। मूलतः आगर मालवा की

रहने वाली रेखा ने करीब तीन साल पहले लखन से अपनी पसंद से शादी की थी। लखन मजदूरी करता है। शुक्रवार सुबह वह काम पर चला गया था। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे उसके भतीजे ने फोन कर बताया कि रेखा को उल्टियां हो रही हैं। सूचना मिलते ही लखन घर पहुंचा और उसे अस्पताल लेकर गया। हालत बिगड़ने पर उसे हमीदिया रेफर कर दिया गया।

घर में मिली इल्लीमार कीटनाशक की शीशी

अस्पताल की सूचना पर पुलिस रेखा के बयान दर्ज करने पहुंची थी, लेकिन उसकी हालत बयान देने की नहीं थी। पति लखन ने पुलिस को बताया कि घर से इल्लीमार कीटनाशक की शीशी मिली है। आशंका है कि रेखा ने यही जहरीला पदार्थ पीया था।

सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन में होल्डिंग एरिया में रोकेंगे श्रद्धालु, पांच रेलवे स्टेशनों पर तैयारियां

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन रेलवे स्टेशन पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को सीधे स्टेशन पर पहुंचने से रोकने के लिए रेलवे ने होल्डिंग एरिया की व्यवस्था पर विशेष फोकस किया है। उज्जैन स्टेशन के माधवनगर, नीलगंगा और इंदौरगेट की ओर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा चिंतामन गणेश, पंचासा, पिंगलेश्वर और विक्रमनगर रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों को रोकने के लिए व्यवस्था विकसित की जा रही है। जरूरत के अनुसार



भीड़ को इन स्थानों पर रोककर चरणबद्ध तरीके से मुख्य स्टेशन की ओर भेजा जाएगा। इससे प्लेटफार्म और प्रवेश-निकास मार्गों पर एक साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के

पहुंचने से बनने वाले दबाव को कम किया जा सकेगा। क्वार्टर तोड़कर तैयार हो रहे होल्डिंग एरिया, सुविधाएं भी रहेंगी

माधवनगर, नीलगंगा और इंदौरगेट की ओर रेलवे कर्मचारियों के पुराने क्वार्टरों को हटाकर होल्डिंग एरिया तैयार करने का काम शुरू हो गया है। रेलवे यहां यात्रियों

की सुविधा के लिए वाशरूम, पेयजल, टिकट विंडो और ट्रेनों के आवागमन की जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर रहा है। यानी भीड़ को केवल रोकने के बजाय इन स्थानों पर यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। रेलवे की योजना के अनुसार भीड़ का दबाव बढ़ने पर श्रद्धालुओं को पहले होल्डिंग एरिया में रोका जाएगा और स्टेशन पर स्थिति सामान्य होने के बाद उन्हें आगे भेजा जाएगा।

उज्जैन स्टेशन पर 217 कैमरे

सिंहस्थ को लेकर पश्चिम रेलवे ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था भी मजबूत करना शुरू कर दिया है। उज्जैन सहित आठ रेलवे स्टेशनों पर कुल 753 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें अकेले उज्जैन स्टेशन पर 217 कैमरे होंगे। स्टेशन

पर के द्रौकृत कंट्रोल-कम-सीसीटीवी मानिटरिंग रूम बनाया जाएगा। यहां से प्लेटफार्म, प्रवेश-निकास मार्ग और भीड़ वाले क्षेत्रों की निगरानी की जाएगी। यात्री सूचना प्रणाली, उद्घोषणा व्यवस्था और आप्टिकल फाइबर नेटवर्क को भी मजबूत किया जा रहा है।

माधवनगर स्टेशन को भी संवारा जा रहा

रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण पर भी काम कर रहा है। माधवनगर स्टेशन के भवन पर आकर्षक पेंटिंग बनाई जा रही है। रेलवे अधिकारियों का फोकस व्यवस्था के साथ स्टेशन की छवि सुधारने पर भी है, ताकि सिंहस्थ के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सके।

मैहर जिले ने गौरव दिवस पर रचा इतिहास

3430 विद्यार्थियों ने एक साथ किया कथक, एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

मैहर। मां शारदा की नगरी मैहर ने अपने रस्थापना दिवस पर आयोजित गौरव दिवस में सोमवार को इतिहास रच दिया। 3430 विद्यार्थियों का एक साथ कथक प्रदर्शन मैहर के गौरव दिवस की सबसे बड़ी उपलब्धि बनकर सामने आया।



अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्य मंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सामूहिक कथक प्रस्तुति पूरी होने के बाद एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत

चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने इस उपलब्धि को मैहर के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि मां शारदा की नगरी ने गौरव दिवस पर सांस्कृतिक क्षेत्र में नया इतिहास बनाया है। सामूहिक कथक में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी ने मैहर की कला और संस्कृति के प्रति नई पीढ़ी की प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित किया।

गौरव दिवस समारोह में व्यंजनों की बगिया फूड स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद मंच पर दीप प्रज्वलन और स्वागत कार्यक्रम हुआ। अतिथियों ने समारोह को संबोधित किया। दस वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए फैशन शो और रैम्य वॉक भी आयोजित किया गया। रात में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हुईं और अंत में पुरस्कार वितरण के साथ समारोह का समापन किया गया।

आश्रम परिसर में आंदोलन करने पहुंचे 50 से ज्यादा गांवों के लोग

एमपी के लापता दो साधुओं का 29 दिन बाद नहीं मिला सुराग

सेवदा। सनकुआं धाम स्थित बलरामशरण आश्रम से लापता दो साधुओं का लगभग एक माह बाद भी सुराग नहीं मिलने से ग्रामीणों और समाजजन में नाराजगी है। रविवार को आश्रम परिसर में हुई विशाल बैठक में ग्वालियर, भिंड और दतिया जिले के 50 से अधिक गांवों के प्रतिनिधि पहुंचे।

सेवदा नगर से भी लोग बैठक में शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के साथ पाल-बघेल समाज संगठन से जुड़े लोगों ने भी भाग लिया। बैठक में कहा गया कि घटना को करीब एक माह होने को है, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक ऐसी कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है, जिससे दोनों साधुओं की तलाश आगे बढ़ने की जानकारी मिल सके।

थाना प्रभारी से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

बैठक में सर्वसम्मति से तय किया



तहसीलदार को सौंपा था ज्ञापन

बता दें कि, बलरामशरण आश्रम में रहने वाले महंत श्रीरामशरण महाराज उर्फ बलरामशरण और उनके गुरु भाई साधु गंगाप्रसाद बघेल उर्फ गंगाशरण महाराज के लापता होने की सूचना सामने आने के बाद ग्रामीणों ने पहले तहसीलदार को ज्ञापन भी सौंपा था। डिरोलीपार की मंगरोल चौकी में स्वजन की ओर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण की आशंका जताते हुए मामला दर्ज भी कराया गया।

गया कि अब मामले को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। पहले चरण में सोमवार को 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल थाना प्रभारी

से मुलाकात करेगा और दोनों साधुओं की तलाश में अब तक की गई पुलिस कार्रवाई की जानकारी लेगा। इसके बाद पुलिस को कार्रवाई के लिए पांच दिन का समय दिया जाएगा। यदि इस अवधि में सतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण और समाजजन धरना-प्रदर्शन सहित आंदोलन शुरू करेंगे। बैठक में पुलिस की ओर से मामले के विवेचना अधिकारी सब इंस्पेक्टर सियाराम गोड़ भी पहुंचे।

विवेचना अधिकारी ने रेखा पक्ष

उन्होंने अब तक की विवेचना और पुलिस कार्रवाई को लेकर अपना पक्ष रखा तथा ग्रामीणों को जानकारी देने का प्रयास किया। बैठक में कमलाशरण महाराज, रत्नदास महाराज, मस्तराम दास महाराज, स्वामी ज्ञानानंद महाराज, रामप्रिय दास महाराज, श्यामगिरी महाराज, परमदास महाराज समेत आदि लोग मौजूद रहे।

जेन-जी पर विचार न थोपें, मार्गदर्शन करें : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

इंदौर। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जेन-जी को ह्यतरुण भारत कहना ज्यादा उपयुक्त है। यह पीढ़ी जागरूक और ऊर्जावान है तथा देश को आगे ले जाने की इसमें अपार क्षमता है। इसलिए इस पीढ़ी पर अपने विचार थोपने के बजाय अनुभवी लोगों को इसका मार्गदर्शन करना चाहिए।

क्लब, मप्र द्वारा जाल सभागृह में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जेन-जी दुनिया की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। आईटी कंपनियों, अनुसंधान केंद्रों, प्रबंधन संस्थानों और स्टार्टअप के क्षेत्र में युवा नेतृत्व बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में संचालित हजारों स्टार्टअप की कमान भी युवाओं के हाथों में है।

पत्रकारिता सिर्फ खबर लिखने तक सीमित नहीं तोमर ने कहा कि मीडियाकर्मियों का काम केवल समाचार लिखना नहीं है, बल्कि देश और समाज से जुड़े मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर



चिंतन करना भी जरूरी है। उन्होंने भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के देशभर के श्रेष्ठ मीडियाकर्मियों के अनुभवों से सीखने का बेहतर मंच बताया। फ्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों को

ऐसे आयोजनों का लाभ उठाना चाहिए।

इंदौर में पत्रकारिता के साथ कला-संस्कृति की भी समृद्ध परंपरा उन्होंने कहा कि इंदौर पत्रकारिता के साथ साहित्य, संगीत,

कला, संस्कृति और स्वच्छता के क्षेत्र में भी समृद्ध है। ऐसे शहर में भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का आयोजन यहां की पत्रकारिता की सक्रिय परंपरा को दर्शाता है। इंदौर देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बना चुका है और अन्य क्षेत्रों में भी लगातार आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में विधायक मनोज पटेल, शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी तथा वरिष्ठ पत्रकार गौतम लाहिड़ी, प्रवीण खारीवाल, मनोहर लिम्बोदिया, सुदेश तिवारी, नवनीत शुक्ला और शिशिर सिन्हा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। तोमर ने हार्दिक का पत्रकारिता धरनाह पुस्तक का विमोचन किया तथा

फेडरेशन ऑफ क्लब की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्यों को सम्मानित

किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पुरस्कृत छायाचित्रों

और कार्टून प्रदर्शनों का भी अवलोकन किया।

भोपाल में नवविवाहिता की मौत, जहरीला पदार्थ पीने की आशंका; दो दिन इलाज के बाद हमीदिया में गई जान

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र के आदमपुर छावनी में 23 वर्षीय नवविवाहिता ने जहरीला पदार्थ पीकर खुदकुशी कर ली। शुक्रवार दोपहर तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उसे 1250 अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। यहां शनिवार रात करीब आठ बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार रेखा पति लखन नायक आदमपुर छावनी में रहती थी। मूलतः आगर मालवा की रहने वाली रेखा ने करीब तीन साल पहले लखन से अपनी पसंद से शादी की थी। लखन मजदूरी करता है। शुक्रवार सुबह वह काम पर चला गया था। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे उसके भतीजे ने फोन कर बताया कि रेखा को उल्टियां हो रही हैं। सूचना मिलते ही लखन घर पहुंचा और उसे

अस्पताल लेकर गया। हालत बिगड़ने पर उसे हमीदिया रेफर कर दिया गया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस रेखा के बयान दर्ज करने पहुंची थी, लेकिन उसकी हालत बयान देने की नहीं थी। पति लखन ने पुलिस को बताया कि घर से इल्लीमार कीटनाशक की शीशी मिली है। आशंका है कि रेखा ने यही जहरीला पदार्थ पीया था।